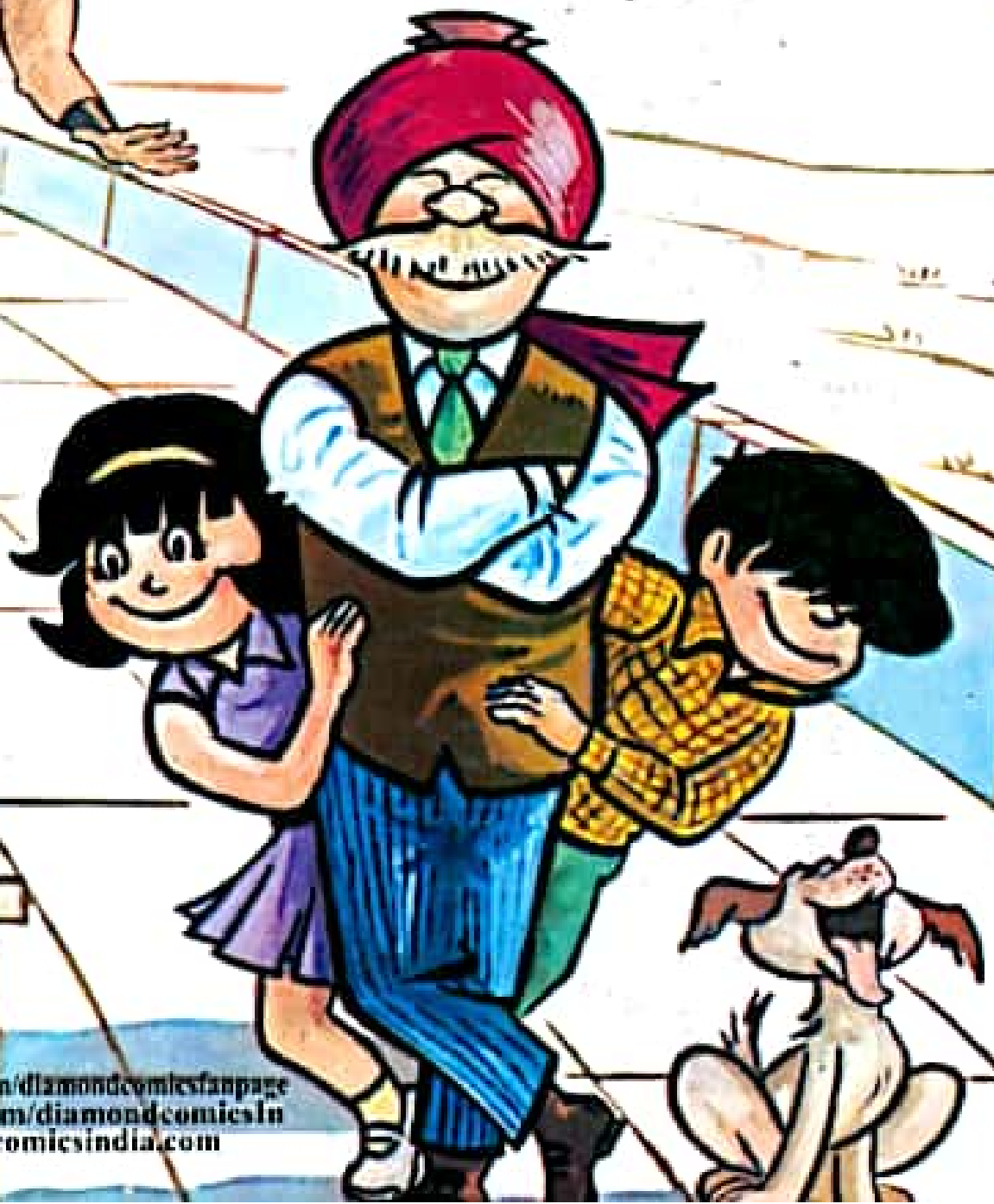




D-214 ₹ 50

प्रा०। चाचा चौधरी बिल्लू और पिंकी



www.facebook.com/diamondcomicsfanpage
www.twitter.com/diamondcomicsin
www.diamondcomicsindia.com

छुट्टी का दिन

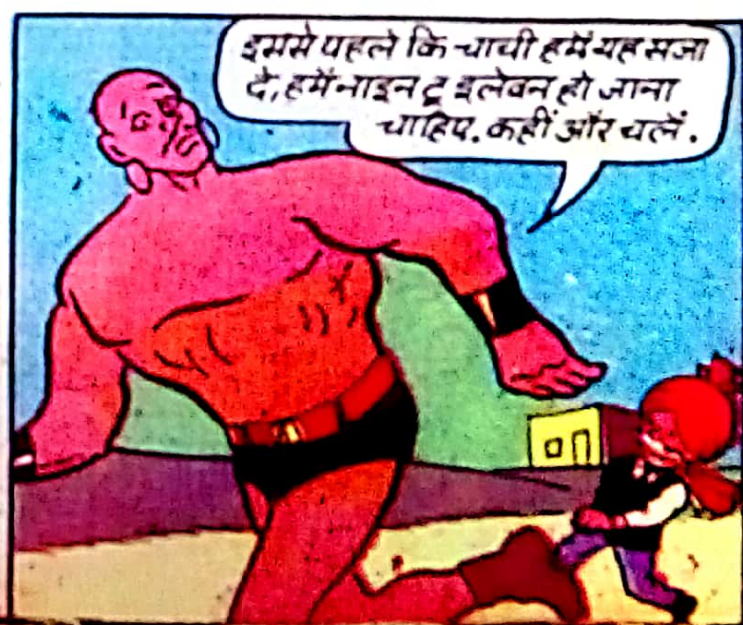
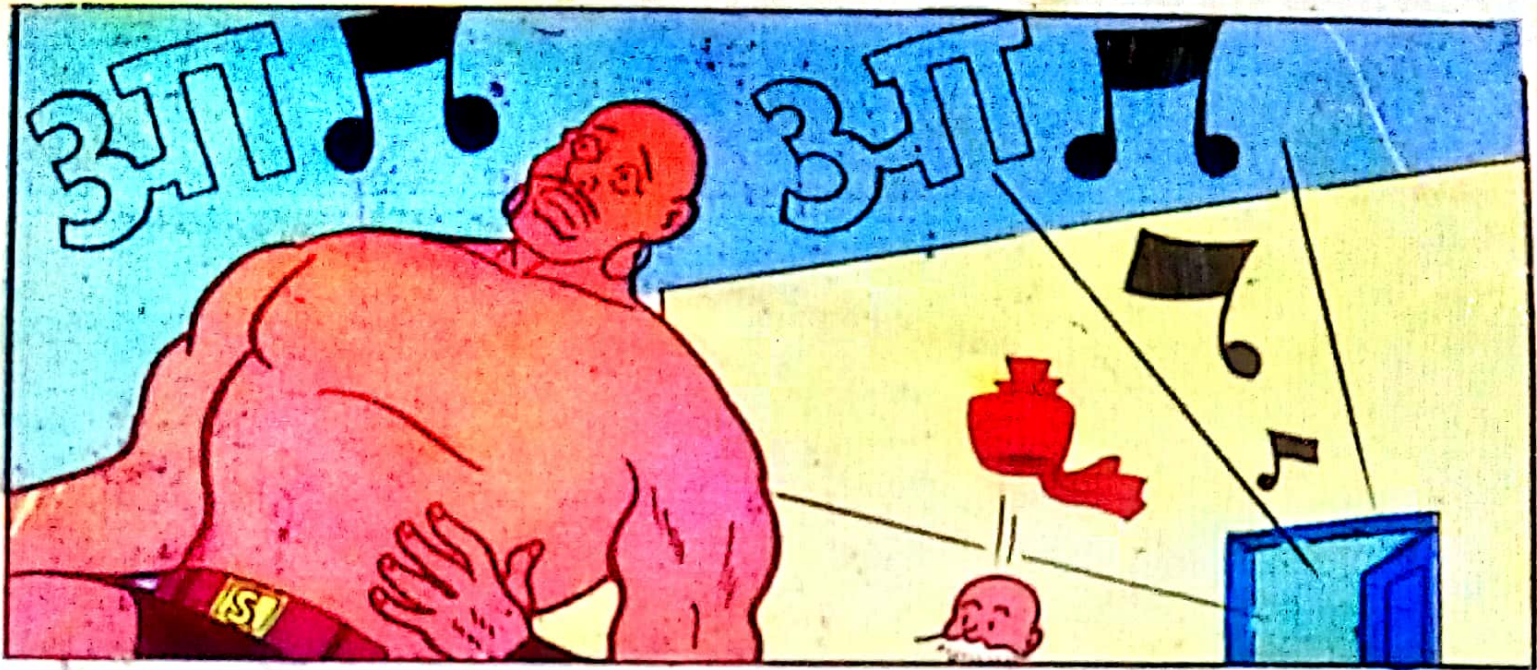
चाचाजी! सब लोग हफ्ते में एक दिन छुट्टी रखते हैं. हम क्यों नहीं?

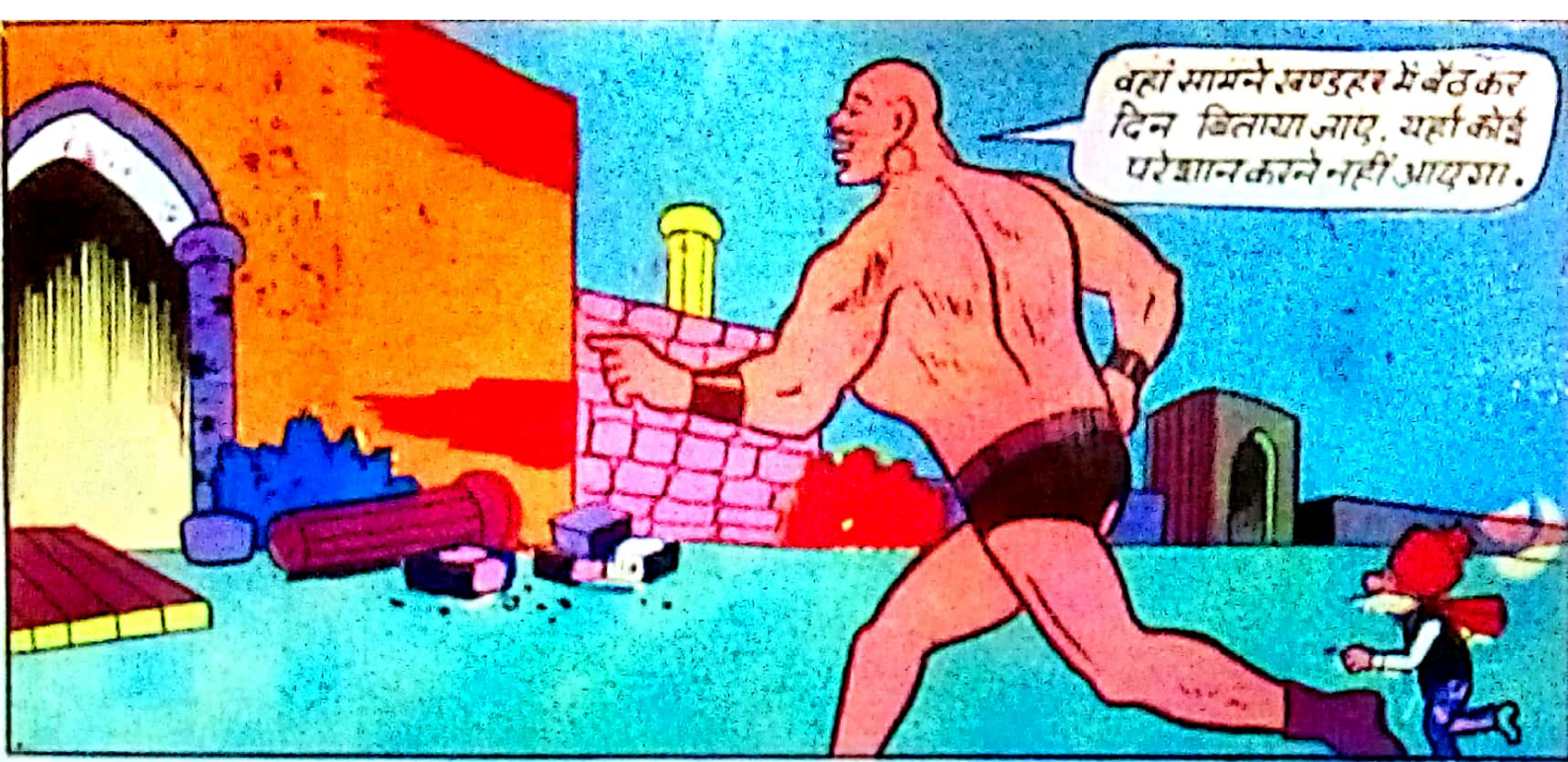
माबू! हमें भी आराम की जरूरत है.

आज से हम भी हफ्ते में एक दिन काम नहीं किया करेंगे.

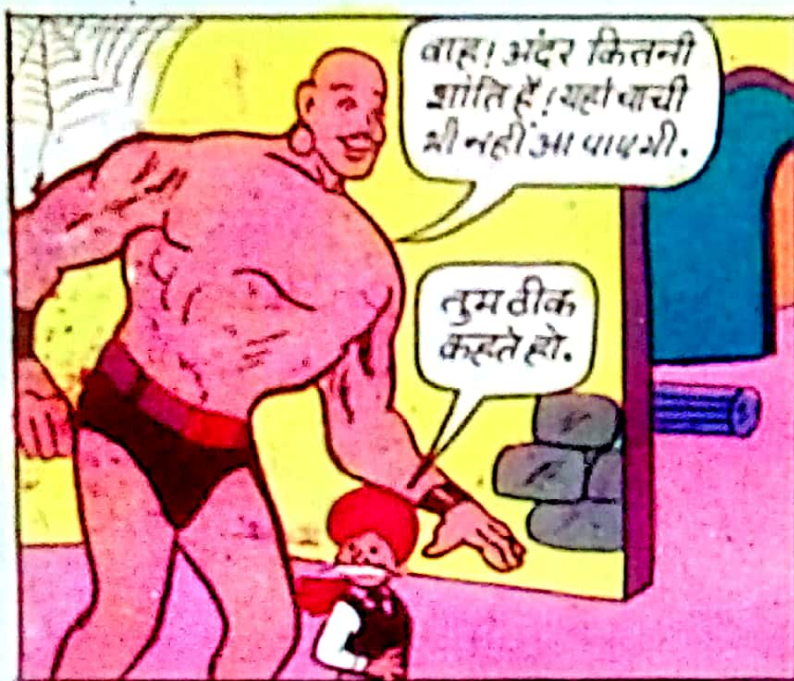
यह नियम कब से लागू होगा, चाचाजी?

आज से ही. आज हम यहाँ बैठ कर सिर्फ आराम करेंगे. बस, आराम ही आराम!





वहां सामने खण्डहर में बैठकर दिन बिताना जाए, यहाँ कोई परेशान करने नहीं आया.



वाह! अंदर कितनी शांति है! यहाँ चाची भी नहीं आ पाएगी.

तुम ठीक कहते हो.



बिल्लू! खण्डहर में मुझे किसी के पदचों की आवाज सुनाई दी है, कोई अंदर आया है.

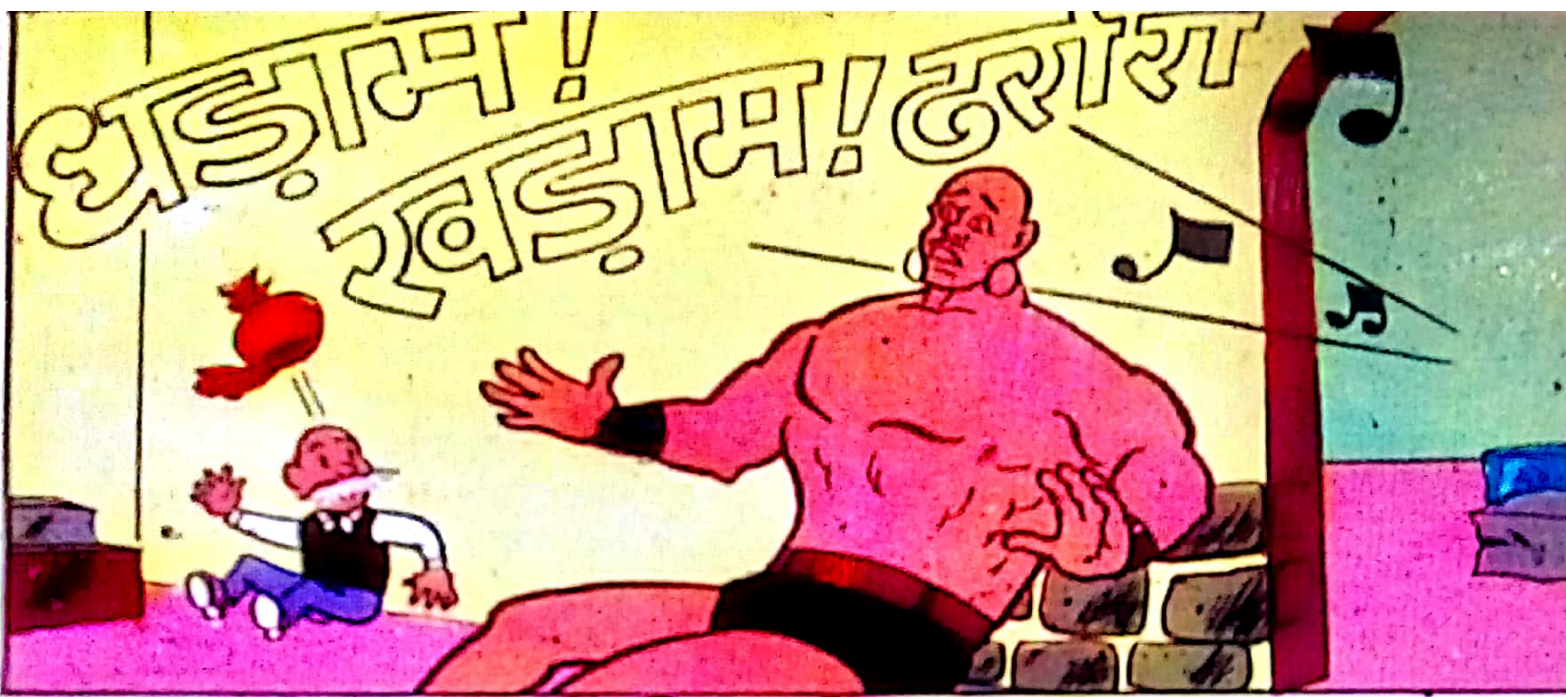
गबदू! कोई संगीत-प्रेमी ही होगा...



जो हमारे सुपर बैंड को सुनने हमारे पीछे-पीछे चला आया, कई संगीत के मच्चे कद्रदान भी होते हैं, गबदू.



रॉक-एन-राल!
एक, दो, तीन!



वहां से मोहल्ले वालों न हमें मार कर निकला है. हमने सोचा इस पुराने सण्डहर में बिना रोक टोक के बैण्ड बजाएंगे.

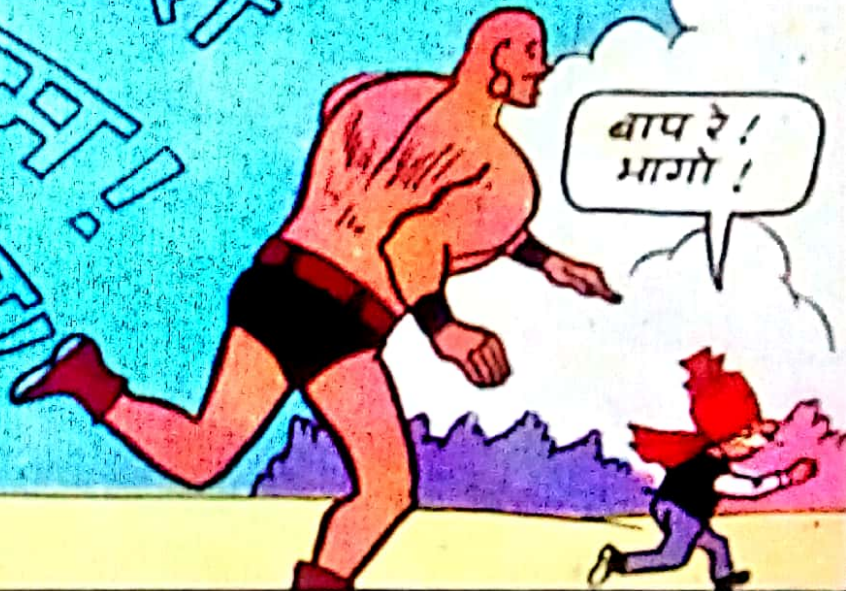


हां, तो गबदू! फिर से शुरू हो जाओ.



धड़ाम! धड़ाम! खराम! खराम!

वाप रे! भागो!



साबू! आखिर हमें एक सुरक्षित जगह मिल गई जहां हम अपनी धुट्टी शांति से बिता सकते हैं.

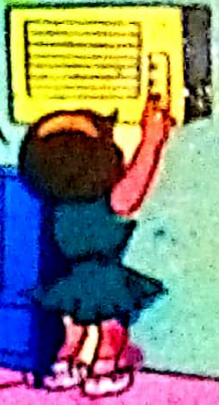
संगीतकारों का अंदर आना मना है.

यह देखो! यही हमारी मंजिल है.



मैं एअरकंडीशनर चला देती हूँ, आपको ठण्डी हवा मिलेगी.

कॉह, पिंकी! तुमने हमारा कितना खयाल किया! धन्यवाद!



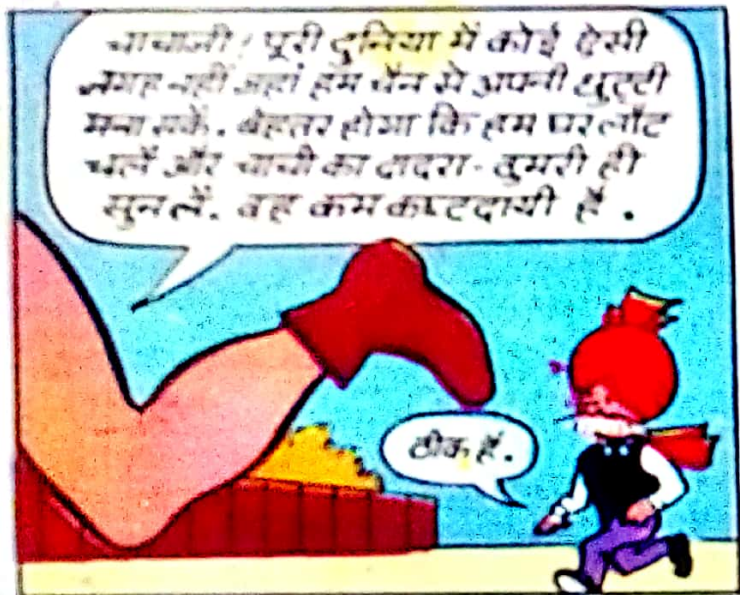
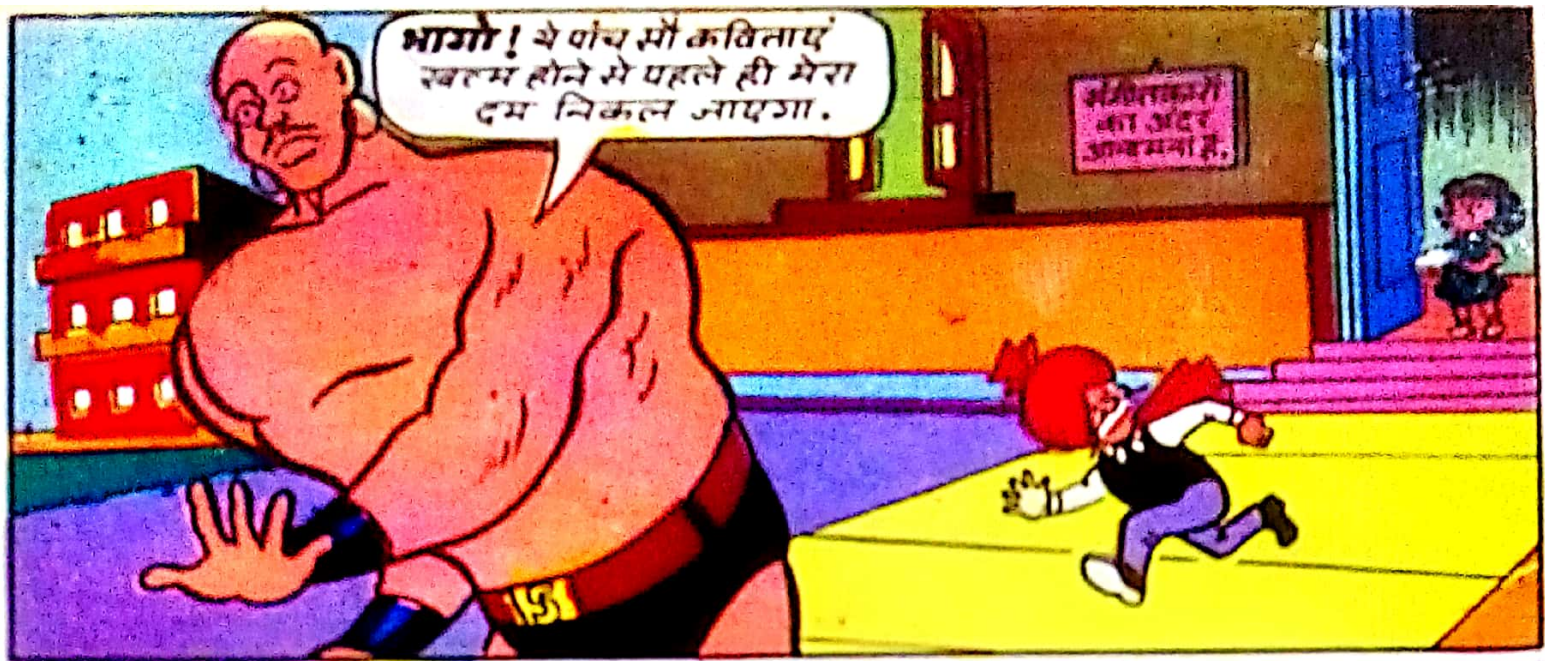
धन्यवाद किस बात का? ऐसे भोता रोज रोज थोड़े ही मिलते हैं?

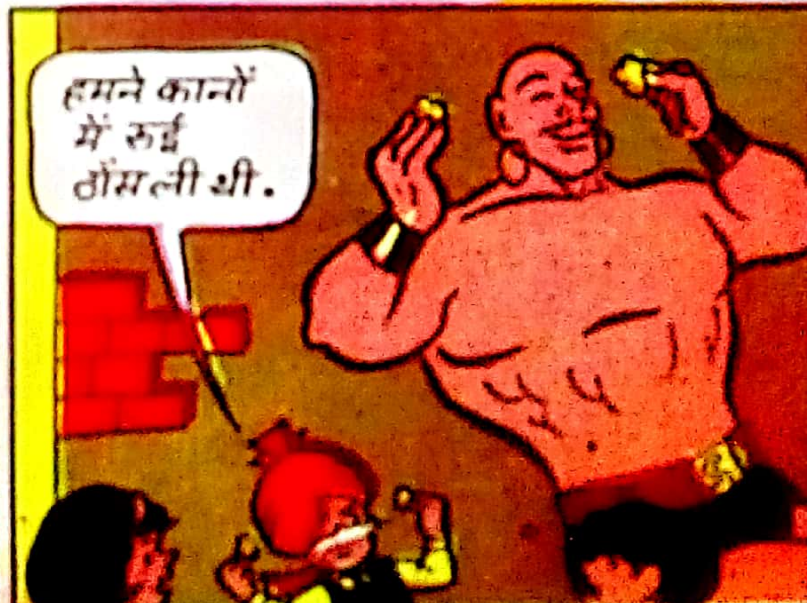
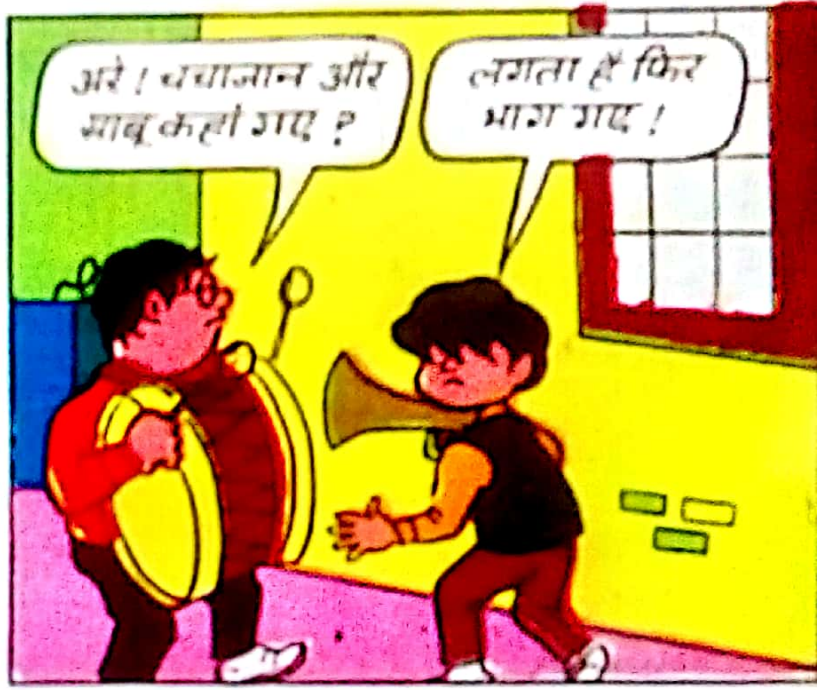
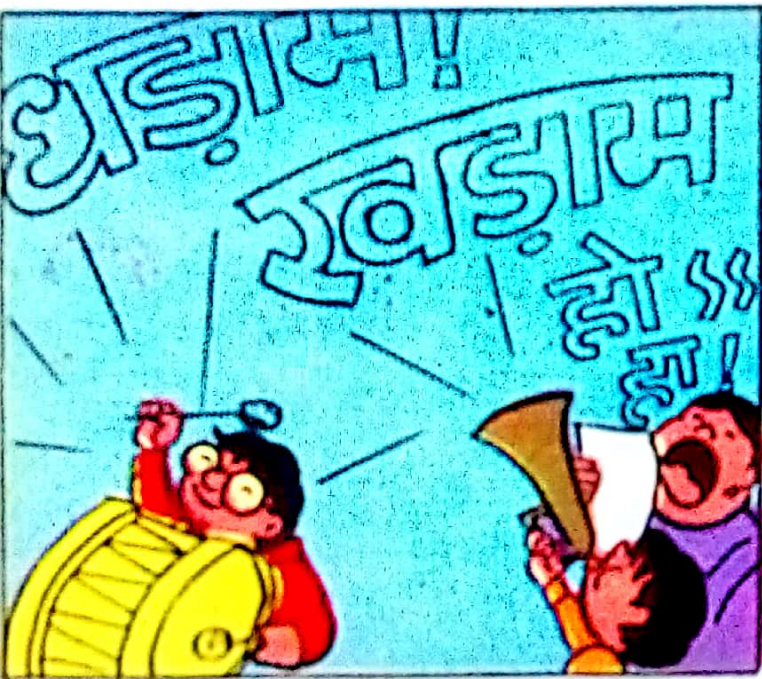
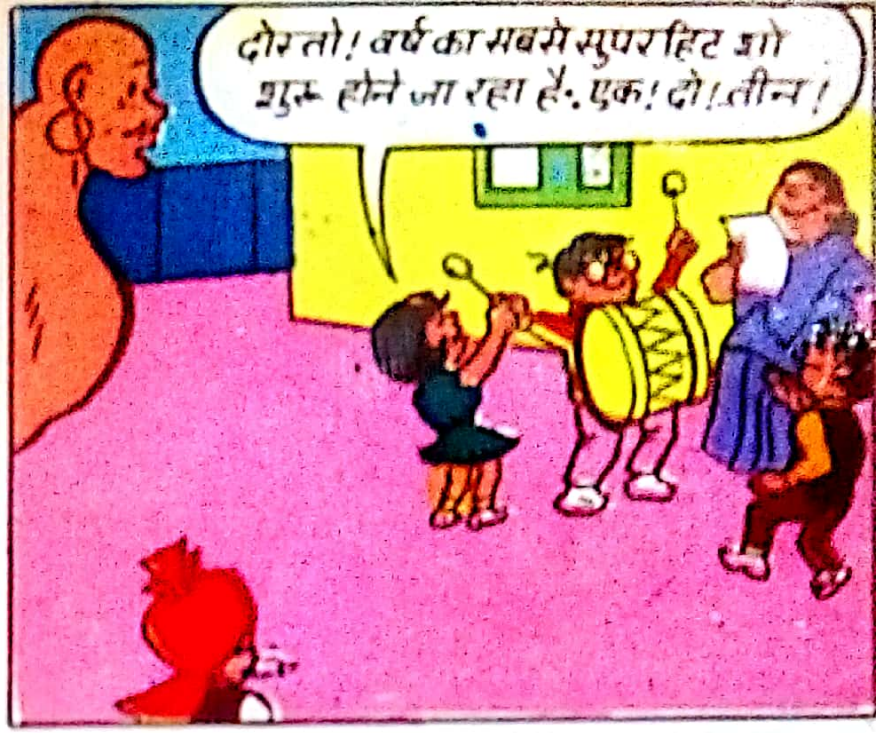
भोता?

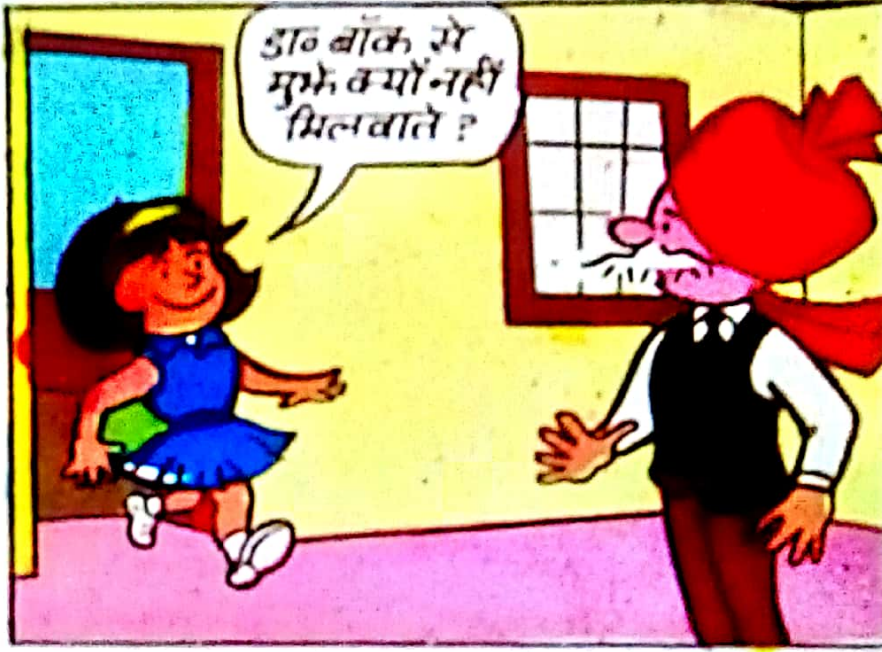
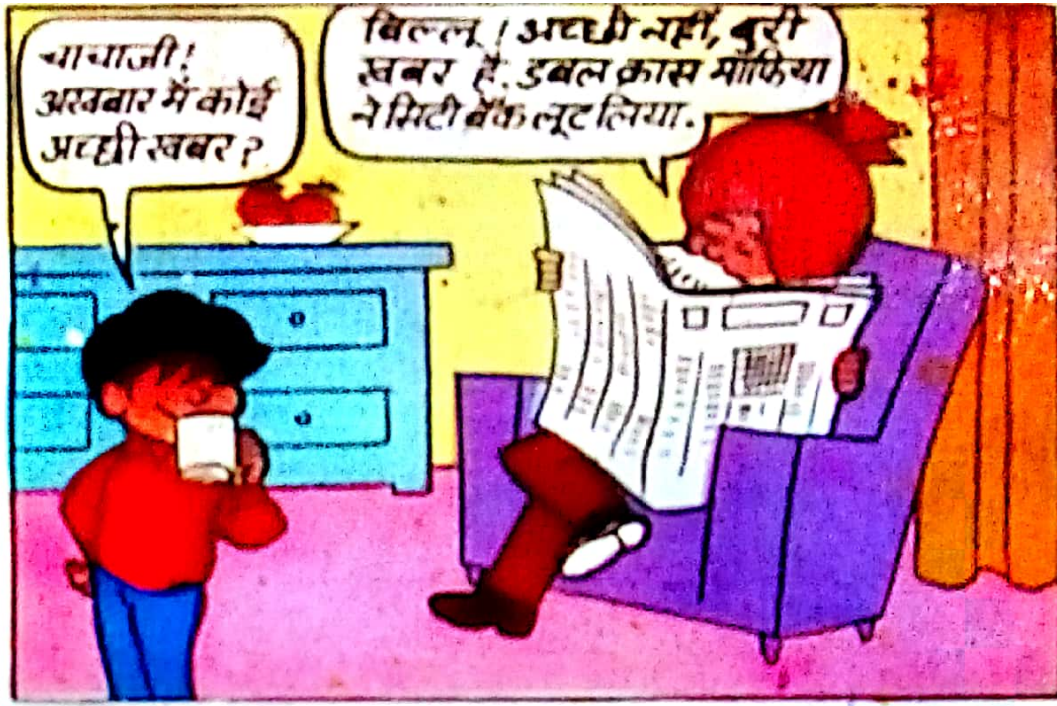
तुम्हें सिर्फ मेरी ये पांच सौ नई कविताएँ सुननी हैं.

मर गए!

कहाँ आ फंसे?







अरे! वह तो मैं
शूल ही गया था.

सिताय मारवाड़ के लूमहे
और कोई बाल गाद भी
रहती है?



अच्छा. हमें भी ललित मोहन के यहाँ जाना है. घर
पर रहना, पबराना मत. दूर होकर भी लूमहारे साथ रहूँगा.

अगर दूर रहोगे तो
साथ कैसे रहोगे?



यह फाउन्टेन पेन अपने पास रखो.

पेन?

दरभसल
यह एक
माइक्रोवेव
लॉसमीटर है.



इस पेन को रबोलने से
माइक्रोवेव द्वारा मेरी
पगड़ी में रखें सिरीकरको
सूचना मिल जाती है.

टिक! टिक!



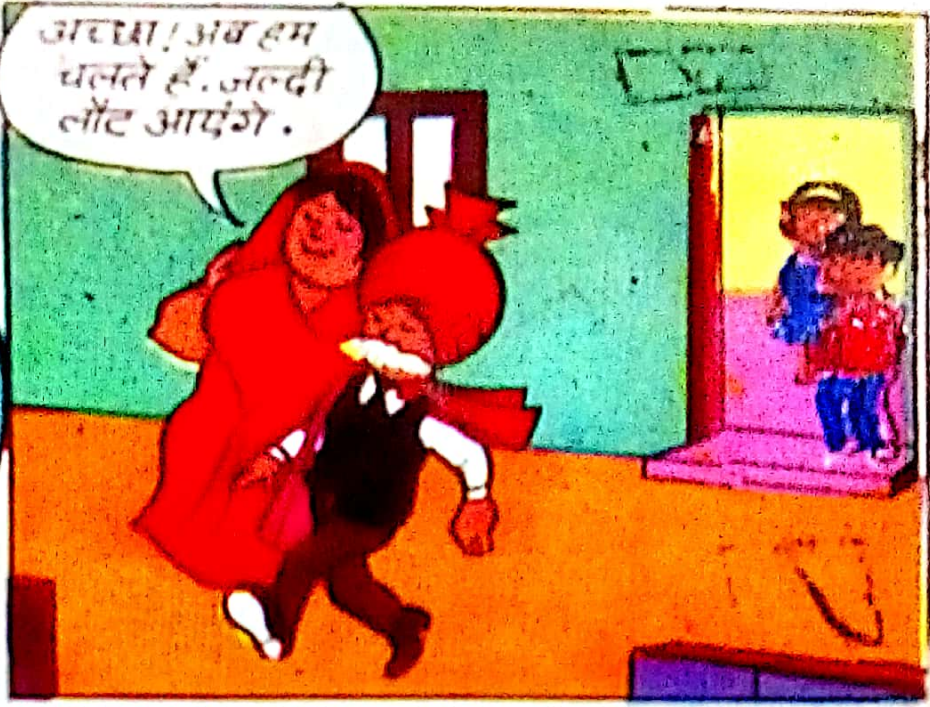
लेकिन इस पेन की
सुवाही जमीन पर मत
बहाना. समझे?



इस पैस को जब मैं रखूँ, मैं
जहाँ कहीं भी रहूँगा, तुम मेरे
साथ सम्पर्क स्थापित कर सकोगे.



अच्छा! अब हम
चलते हैं. जल्दी
लौट आयेंगे.



स्वतन्त्रता माफिया...

डॉ० बॉक! इस बैंक इवेंजरी
ने हमें मालामाल कर दिया.

लोगो! कितना
पैसा हाथ
लगा होगा?

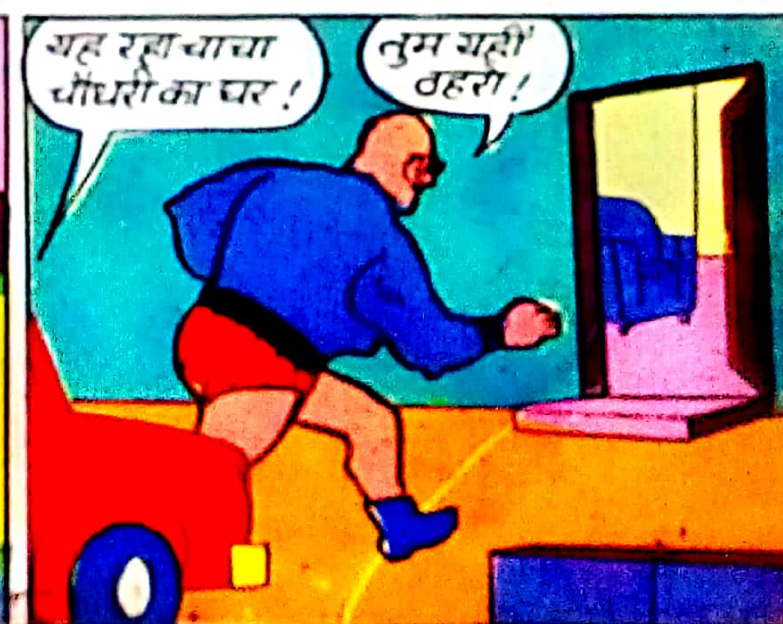
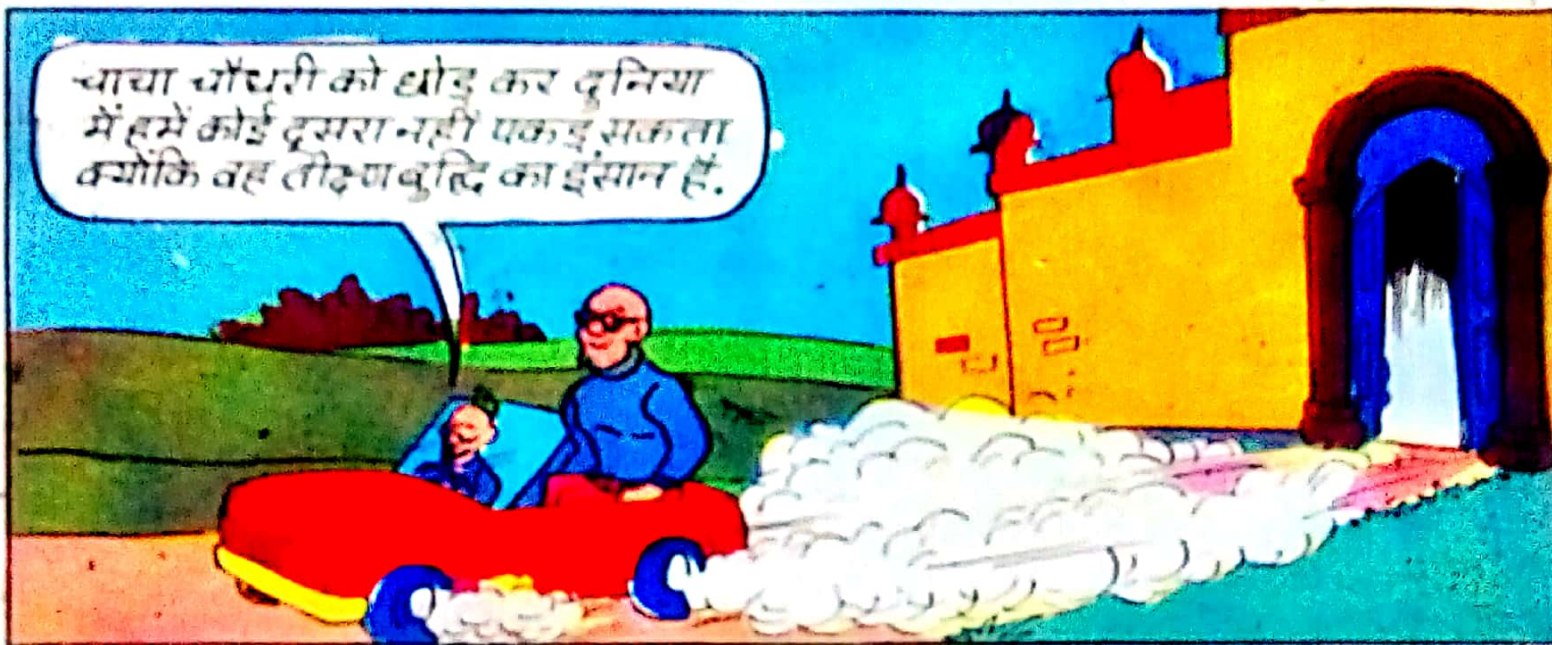
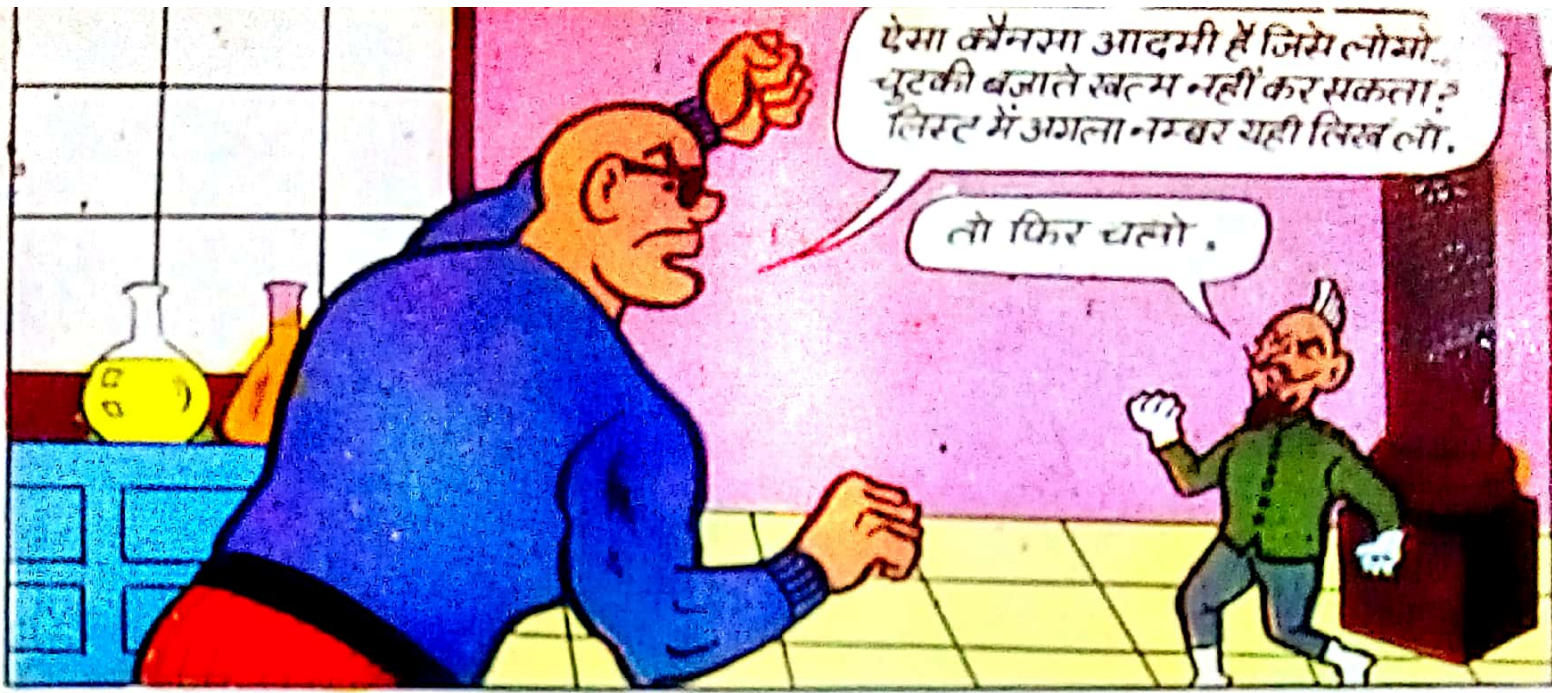


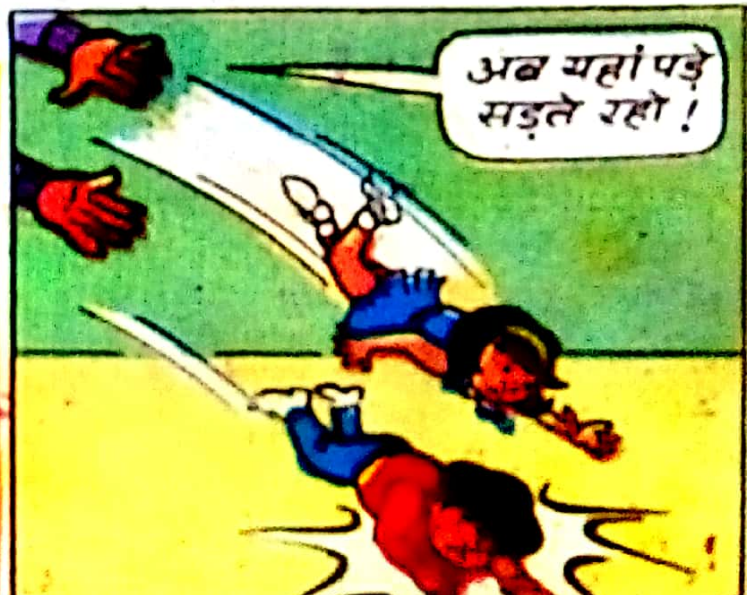
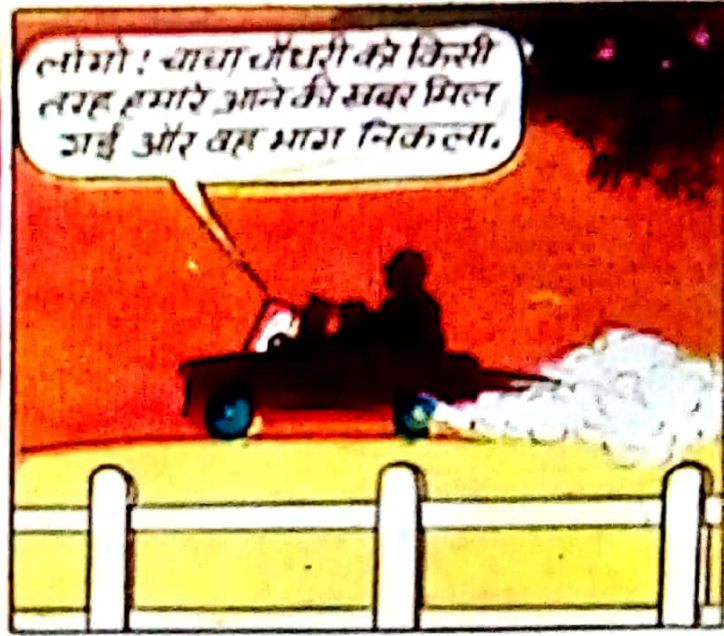
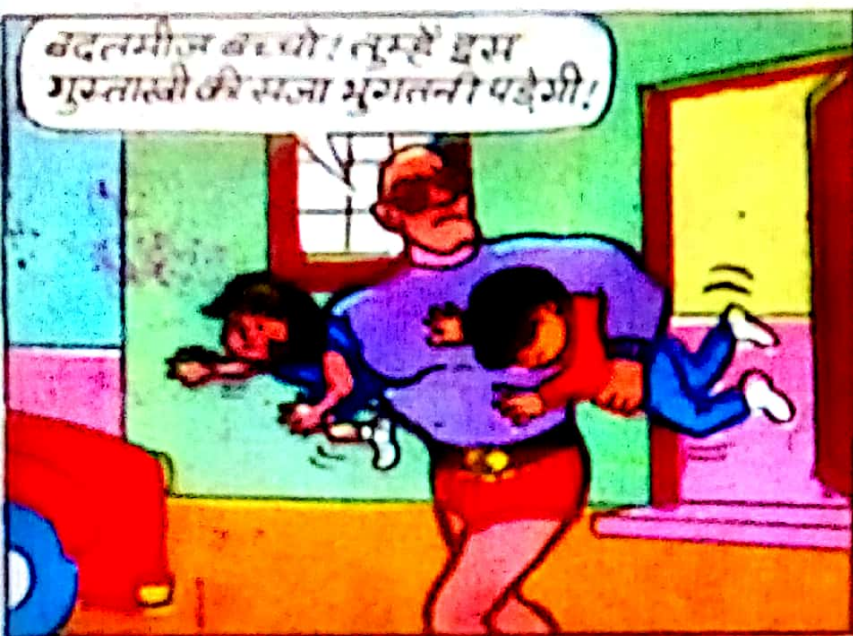
इतना!

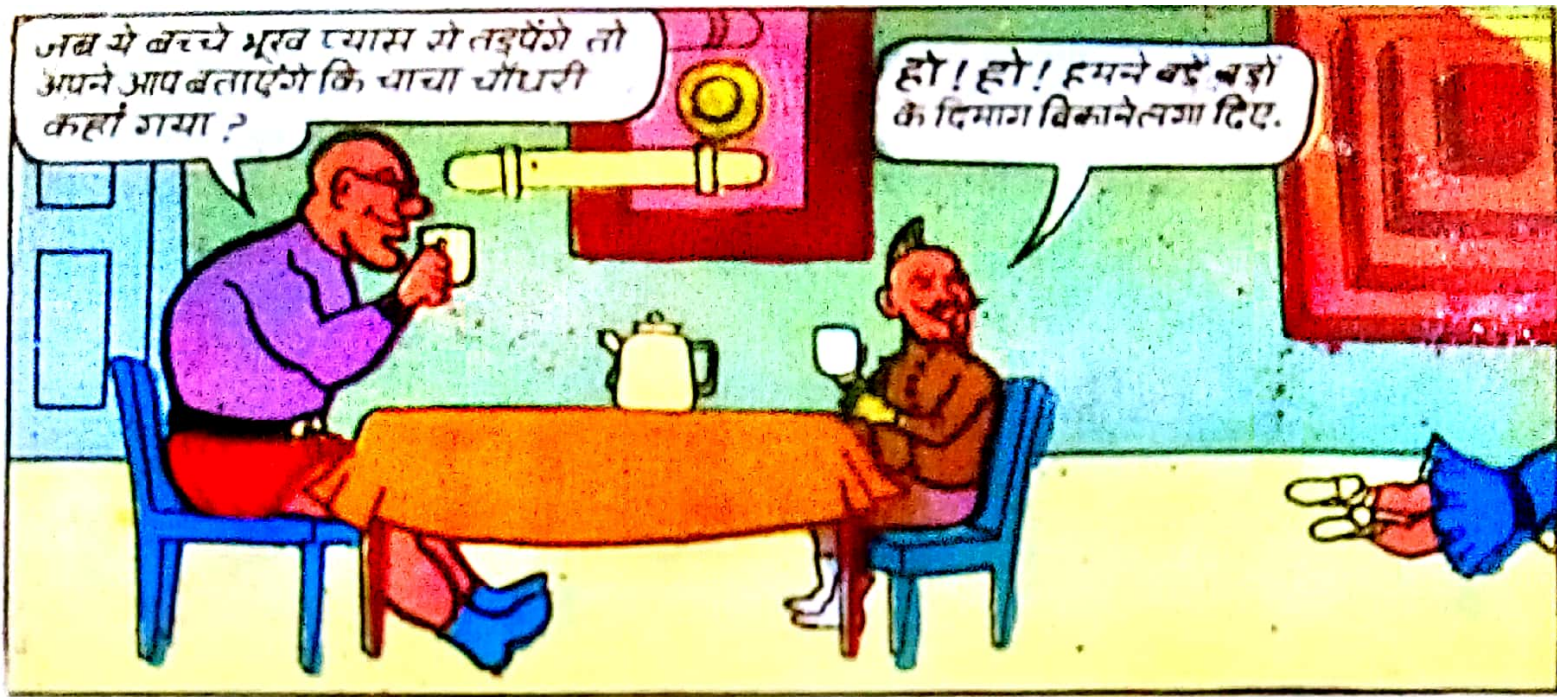


लेकिन लोगो! जब तक चाचा
चौधरी जिन्दा है, हमें पकड़े जाने
का डर बना रहेगा. अगर हम
किसी तरह उसे रास्ते से हटा
दें तो फिर बेखटके हम
लुटपाट कर सकते हैं.

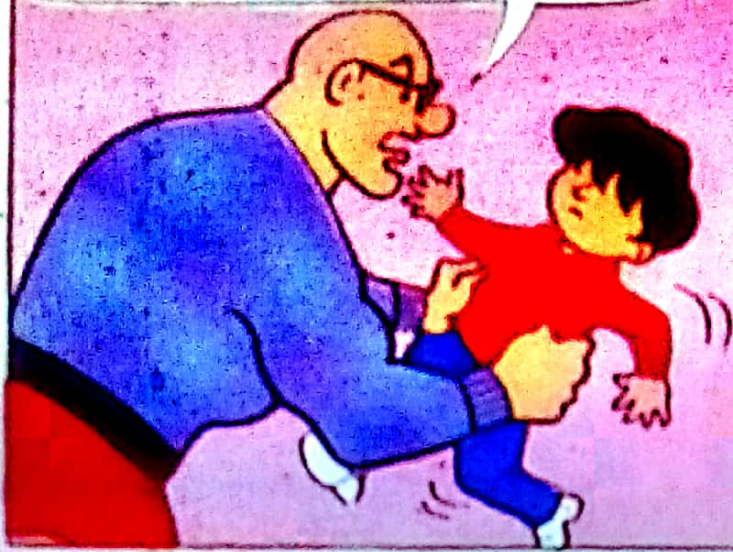




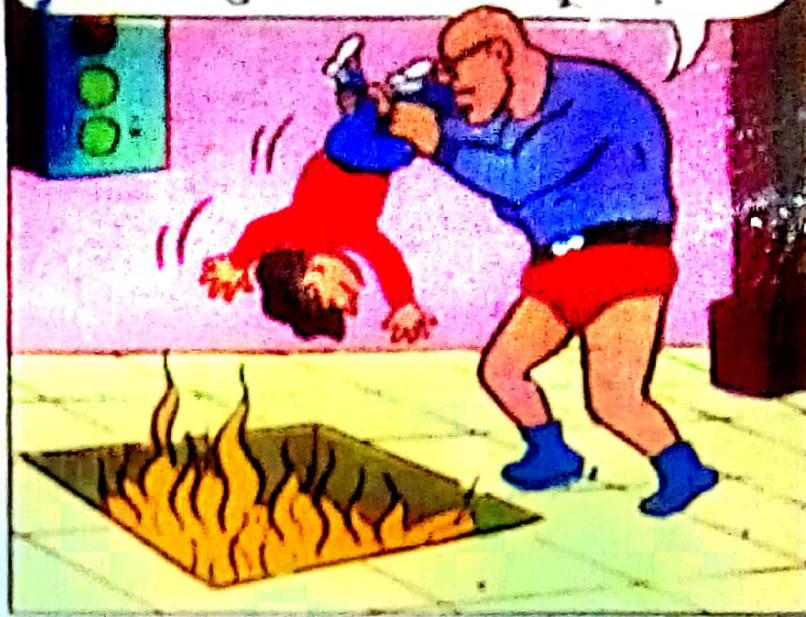




गुस्ताख लड़के! मैं तुम्हें अभी शिष्टाचार का सबक सिखाता हूँ.



अगर आधे मीकेंड में चाचा चौधरी का पता नहीं बताया तो मैं तुम्हें आग में फेंक दूँगा!



उहरो! इसे छोड़ दो, चाचा चौधरी कहां है, उसका पता मैं बताती हूँ.



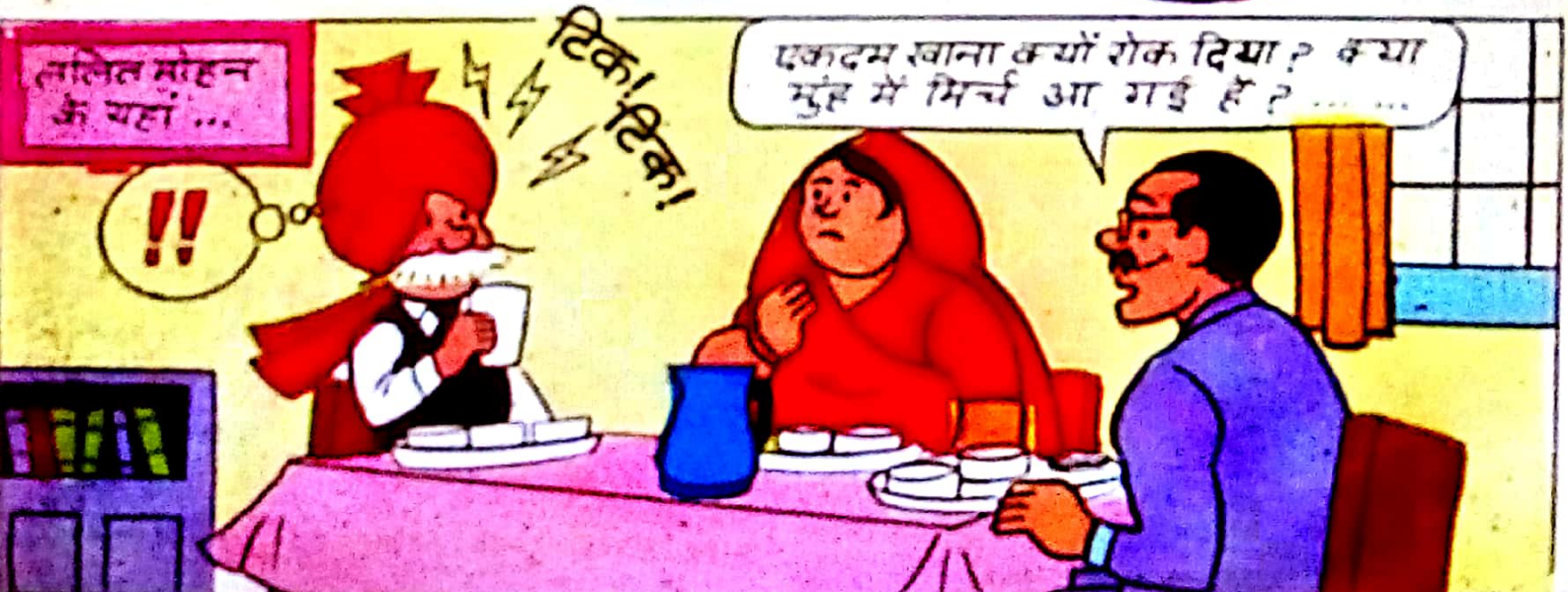
जल्दी बताओ! चाचा चौधरी कहां गया?

अभी अभी मेरे दिमाग में था, फिर मैं भूल गई.



मुझे बनाती हो? मैं तुम दोनों बच्चों को एक साथ आग के हवाले कर दूँगा!







माफ करना मिस्टर ललित मोहन! मुझे जाना होगा. बच्चे मूसीबत में हैं. भागजन! तुम घर पहुँच जाना.

मेरी कार लेते जाइए.

इलेक्ट्रॉनिक बंत्र बताया है कि कच्चे कसी इर दक्षिण की तरफ हैं.

टिक! टिक!



माइक्रोवेव संदेश लेज हो रहा है. मैं ठीक रास्ते पर जा रहा हूँ.

टिक! टिक!



य धोकरे! हमारे साथ चालाकी खेलता है?

उपर.

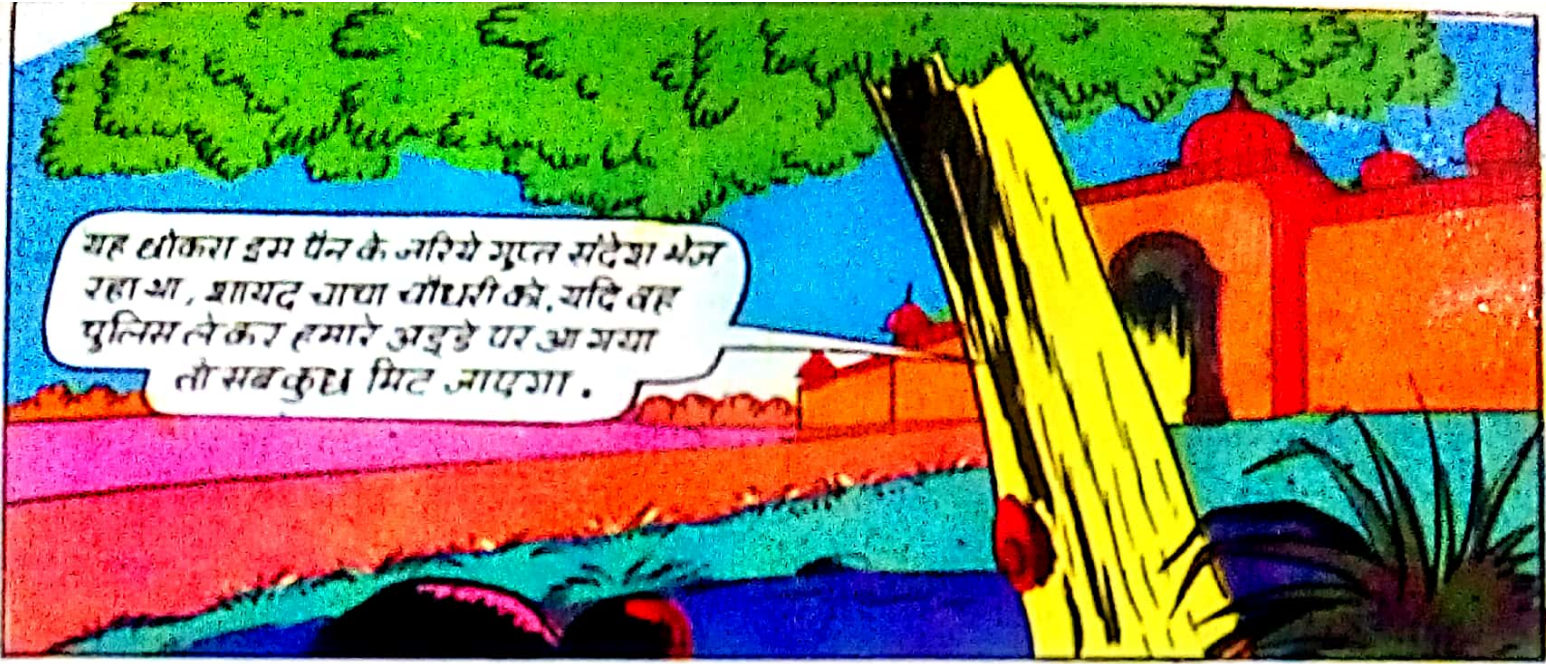


यह पैसं इधर दो!

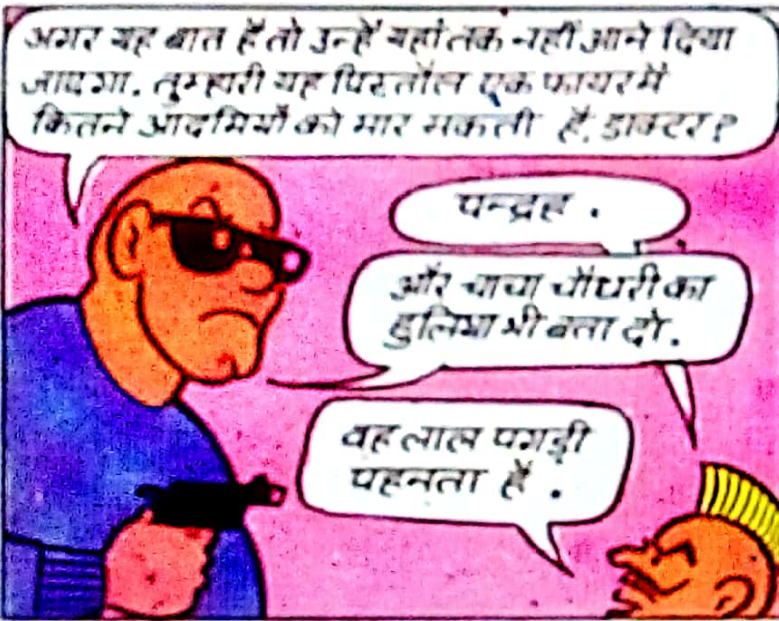


डा० बॉक! धोकरे को पैसं रखने दो. हमारा क्या नुकसान है?

लोगो! मैं साइंमदान हूँ. यह मामूली पैसं नहीं हैं. इसमें एक माइक्रोवेव ट्रांसमीटर लगा है.



यह धोकरा ड्रम पैन के जरिये गुप्त संदेश भेज रहा था, शायद चाचा चौधरी को, यदि वह पुलिस ले कर हमारे अड्डे पर आ गया तो सब कुछ मिट जायगा.

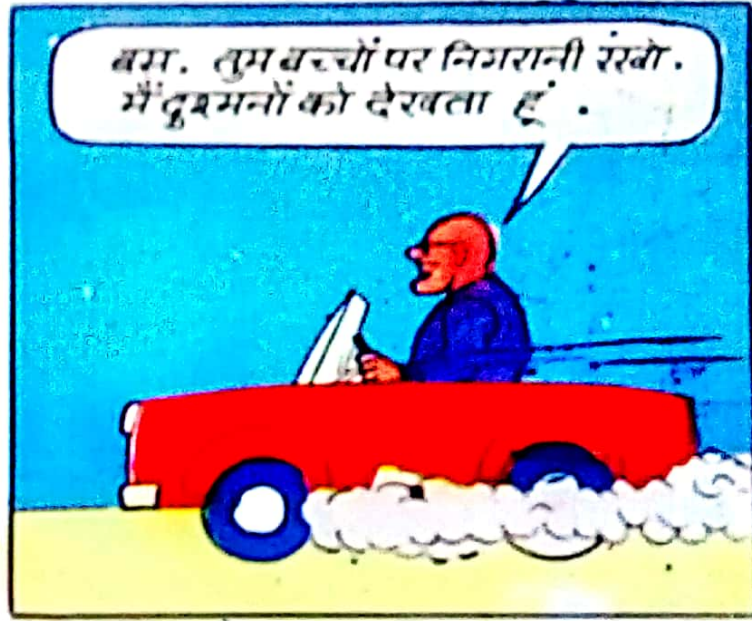


अगर यह बात है तो उन्हें बर्हातक नहीं आने दिया जायगा. तुम्हारी यह पिस्तौल एक फायर में कितने आदमियों को मार सकती है, डाक्टर?

पन्द्रह.

और चाचा चौधरी का हुलिया भी बता दो.

वह लाल पगड़ी पहनता है.

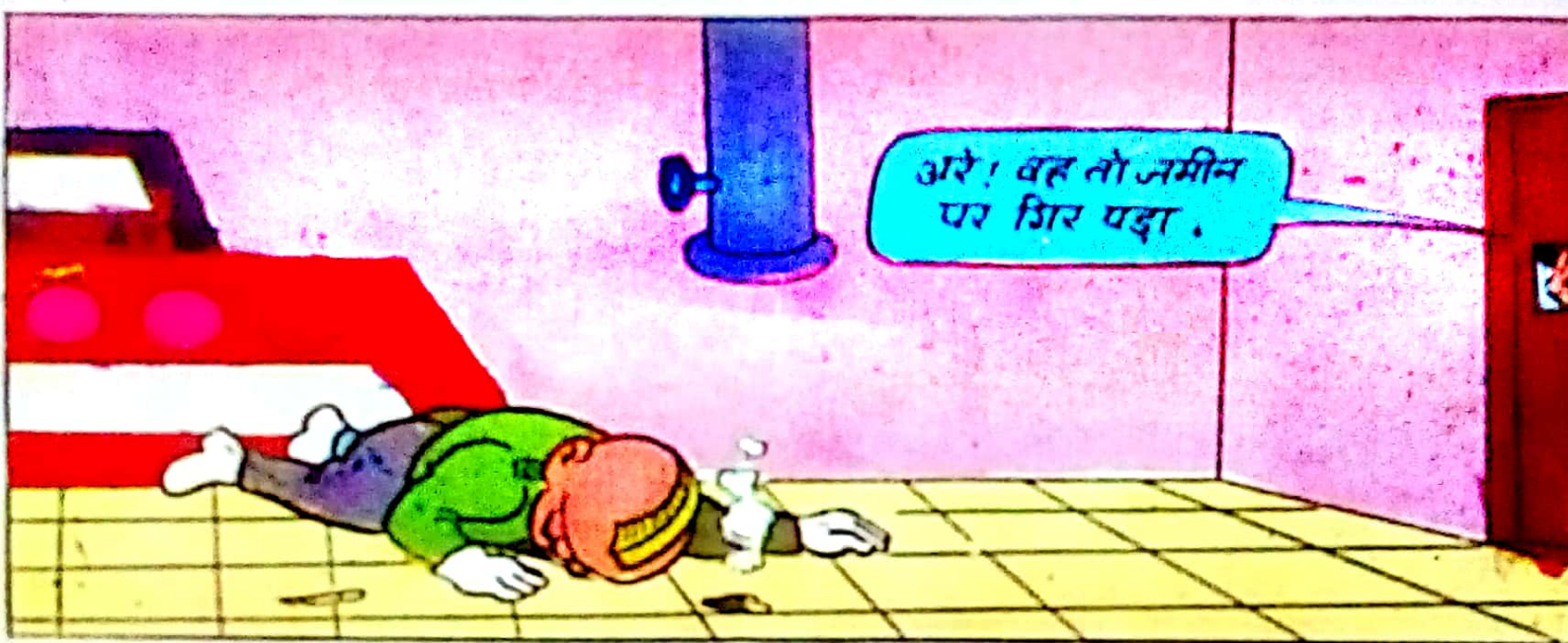
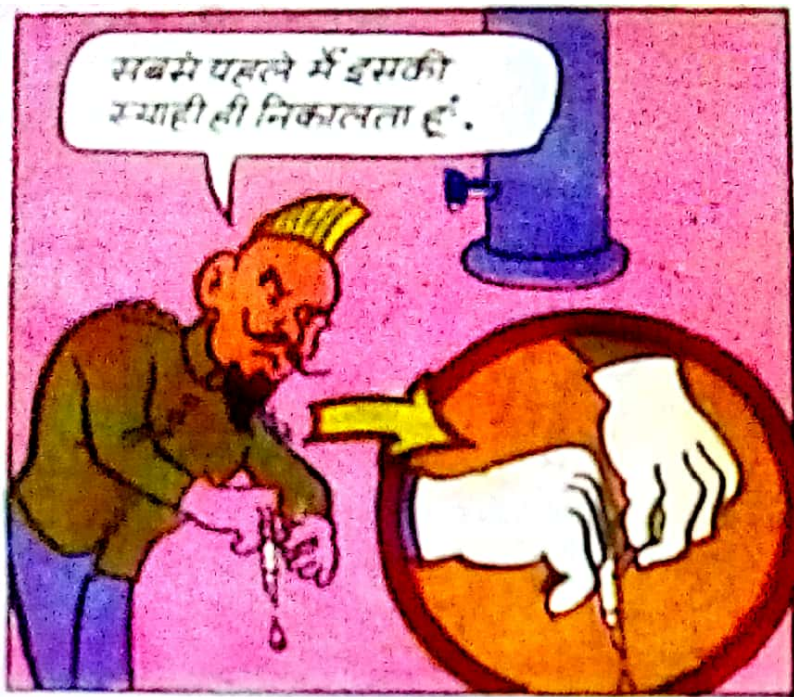


बस. तुम बच्चों पर निगरानी रखो. मैं दुश्मनों को देखता हूँ.



धोकरे! तुम हमें बेवकूफ समझते थे? हमने खुद बड़े-बड़े आविष्कार किए हैं.

अरेरर! पैन को उल्टा मत करो. रग्गाही टपक जायगी.

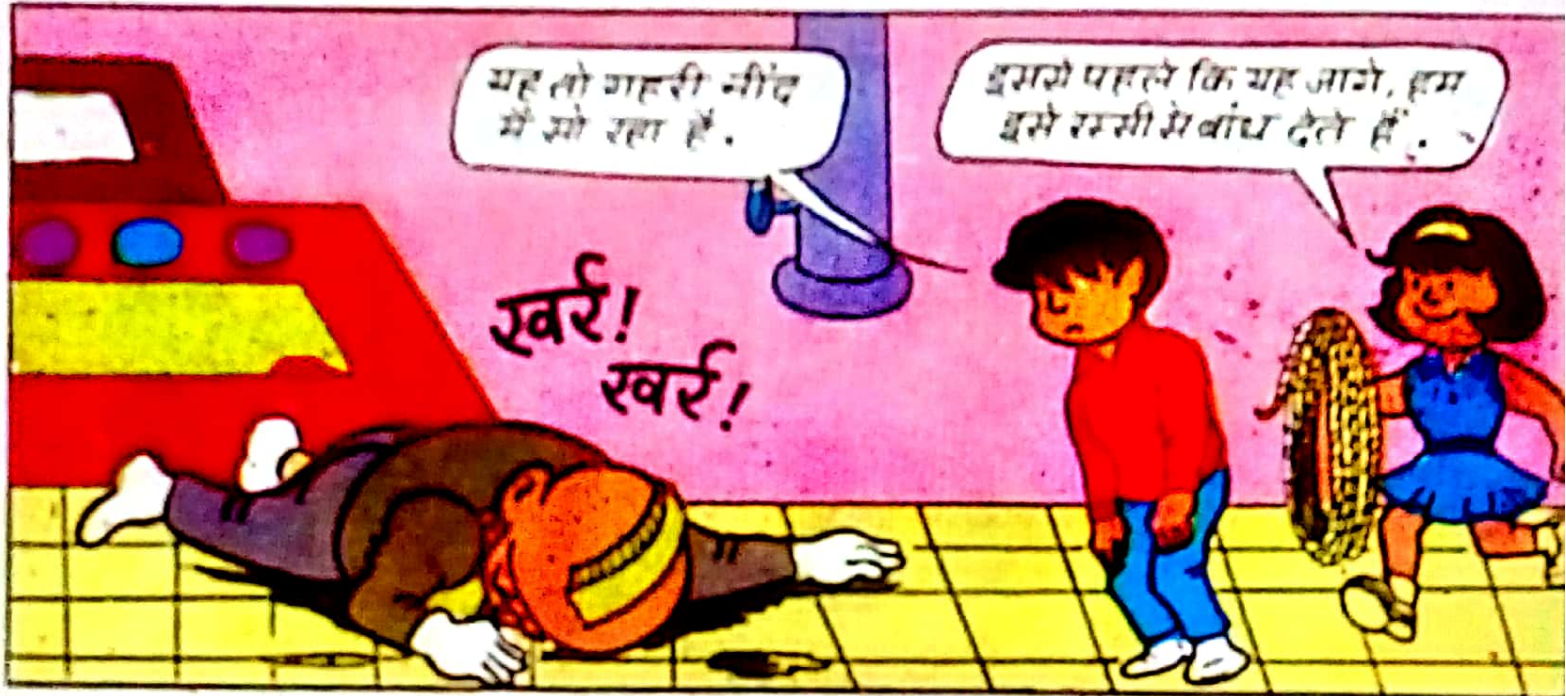




इतना ऊंचा कूदने से स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में मुझे गोल्ड मैडल अवश्य मिलता .



आ जाओ, बिल्लू. अब कोई खतरा नहीं .



यह तो गहरी नींद में सो रहा है .

इससे पहले कि यह जागे, हम इसे रस्सी से बांध देते हैं .

खर्र!
खर्र!

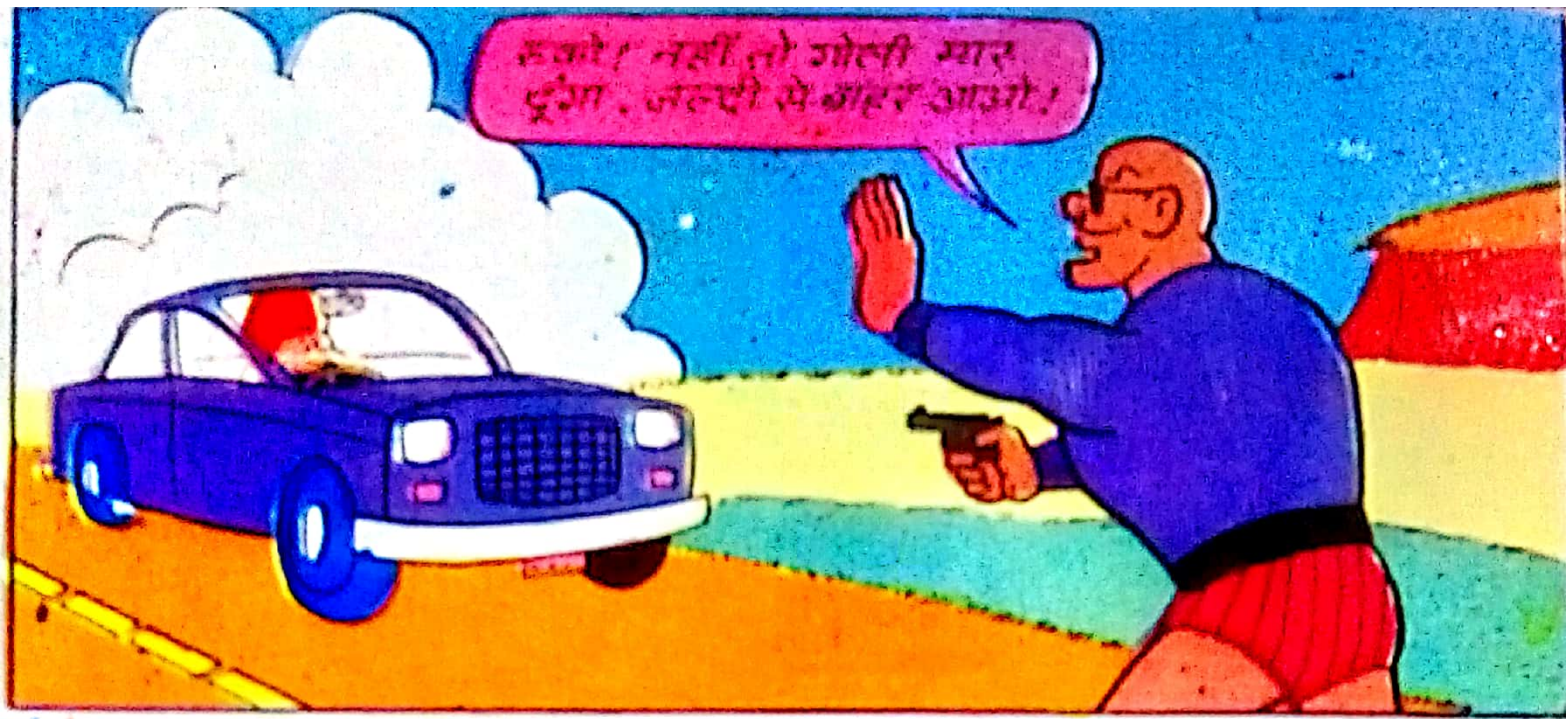


लेकिन इसका साथी लोगो कहीं गया ?

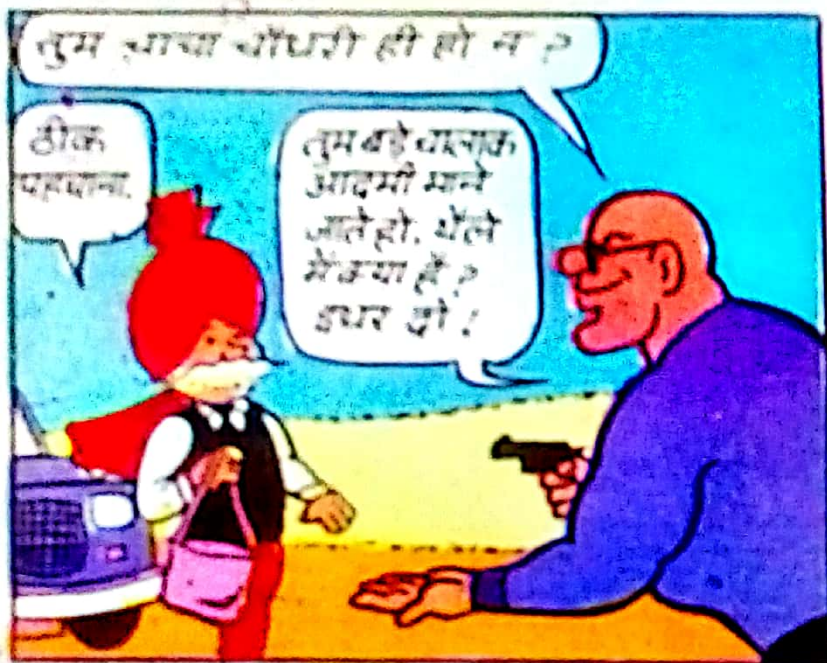


लोगो...

हो! हो! लाल पगड़ी वाला आ रहा है. शुक है वह अकेला है, मेरा काम आसान हो गया, जिसकी हम तलाश में थे, वह खुद ही इधर चला आया .



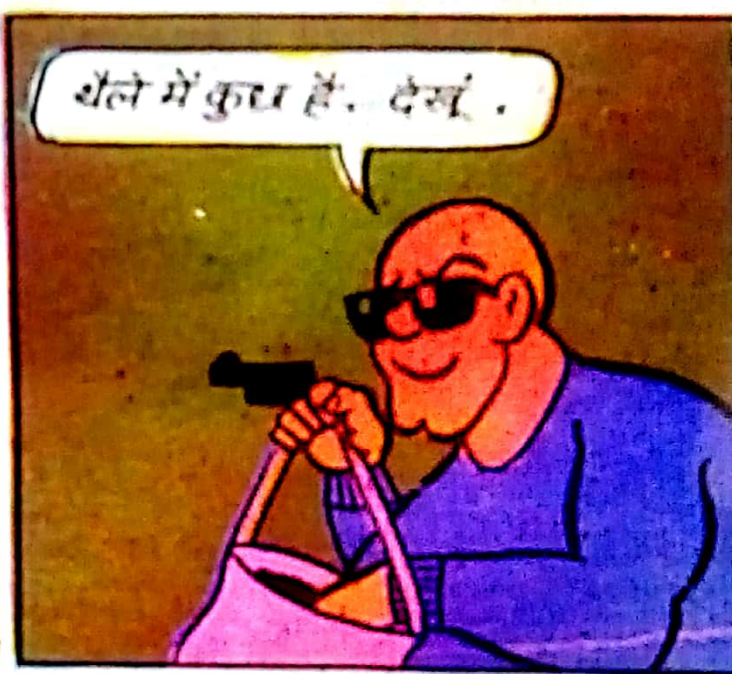
रुक जाओ! नहीं तो गोली मार दूंगा. जल्दी से बाहर आओ!



तुम स्याचा चौधरी ही हो न ?

ठीक पहचाना.

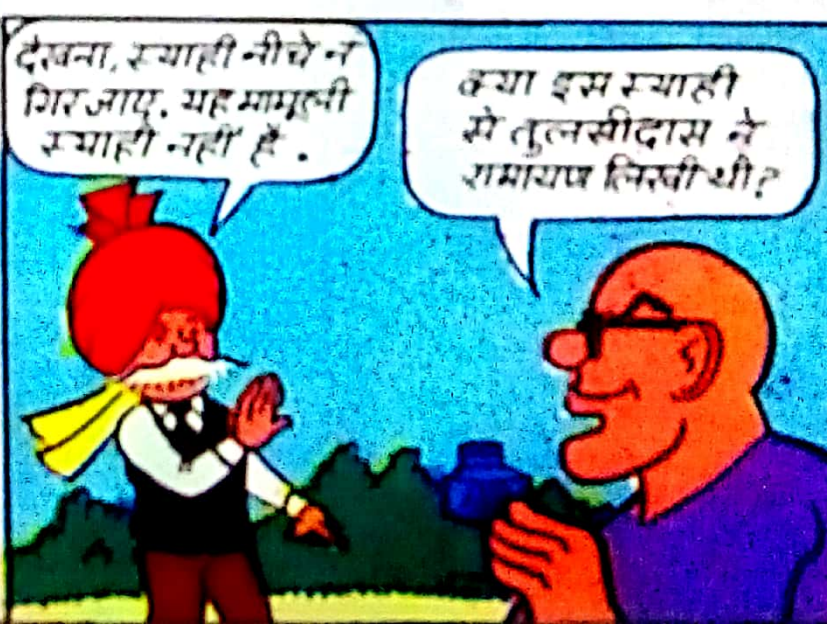
तुम बड़े बालूक आदमी माने जाते हो. थैले में क्या है ? इधर जाओ!



थैले में कुछ है. देखो.

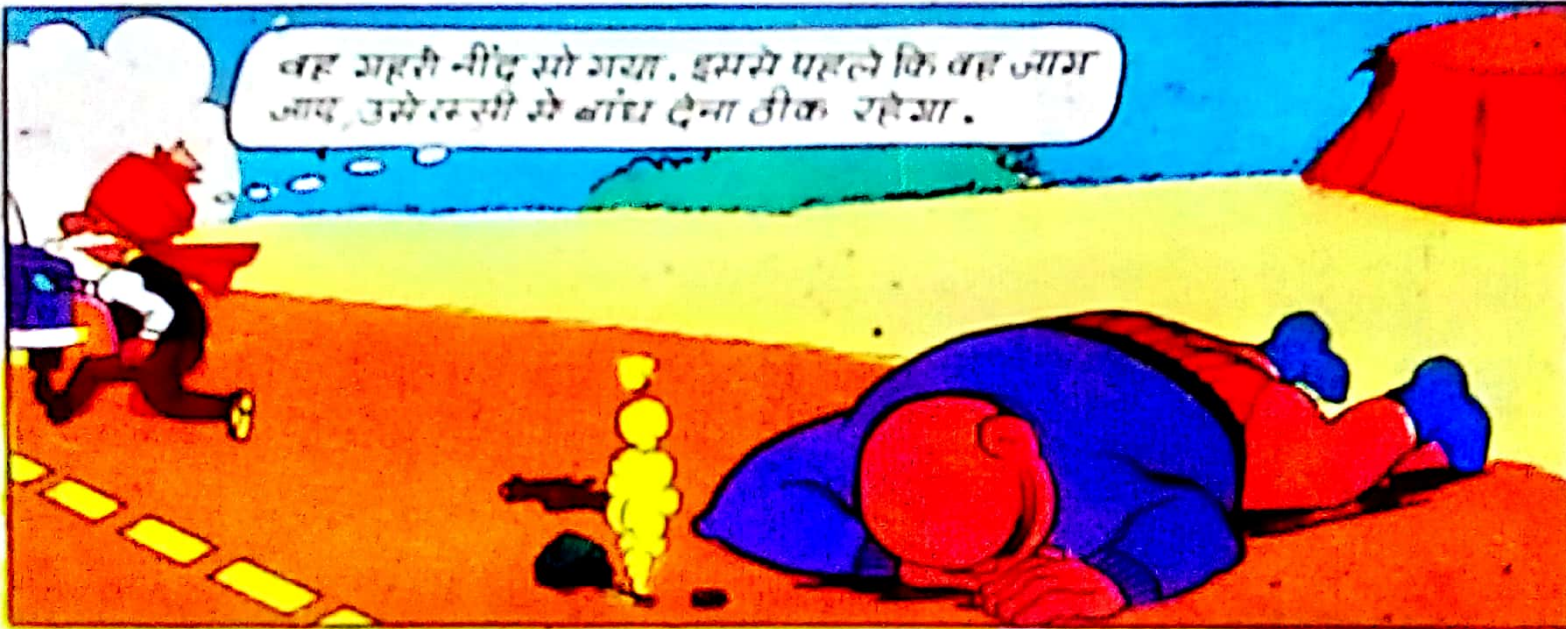
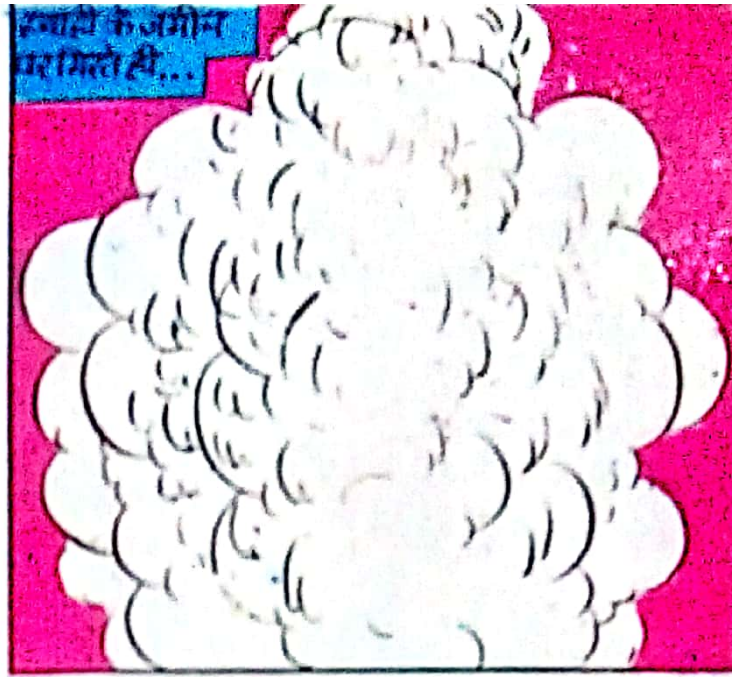


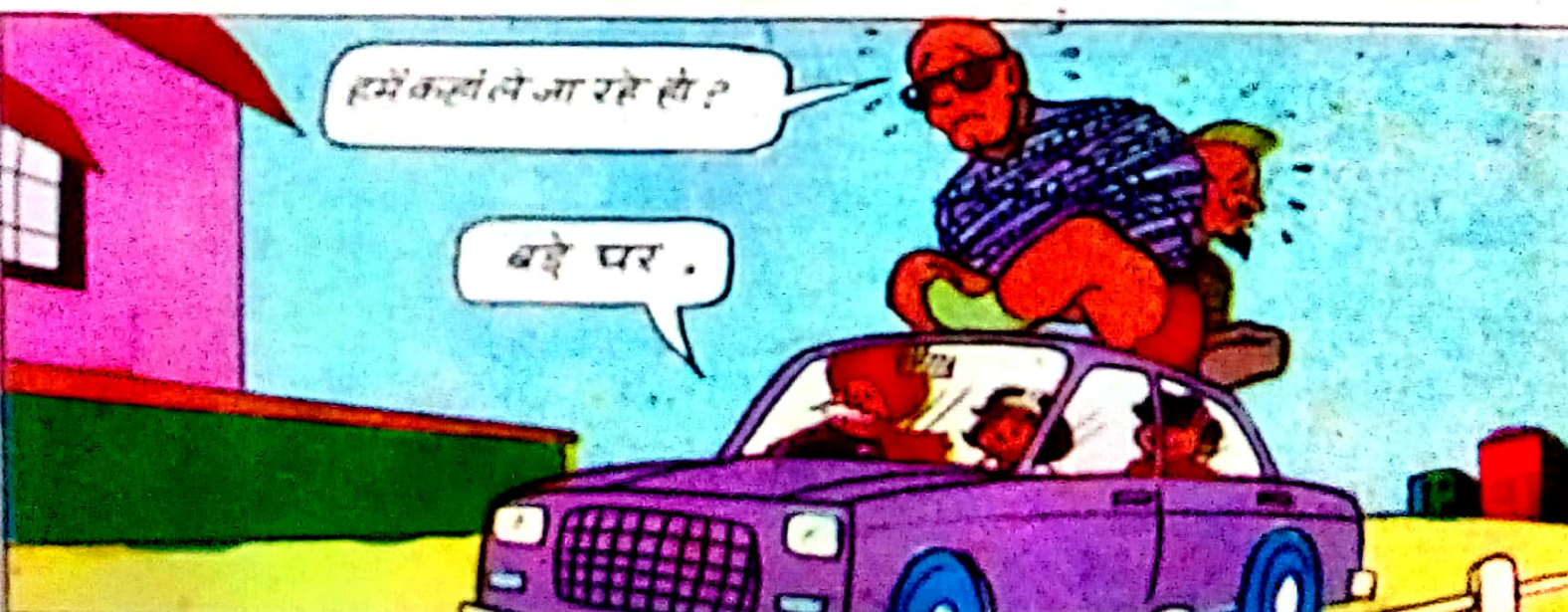
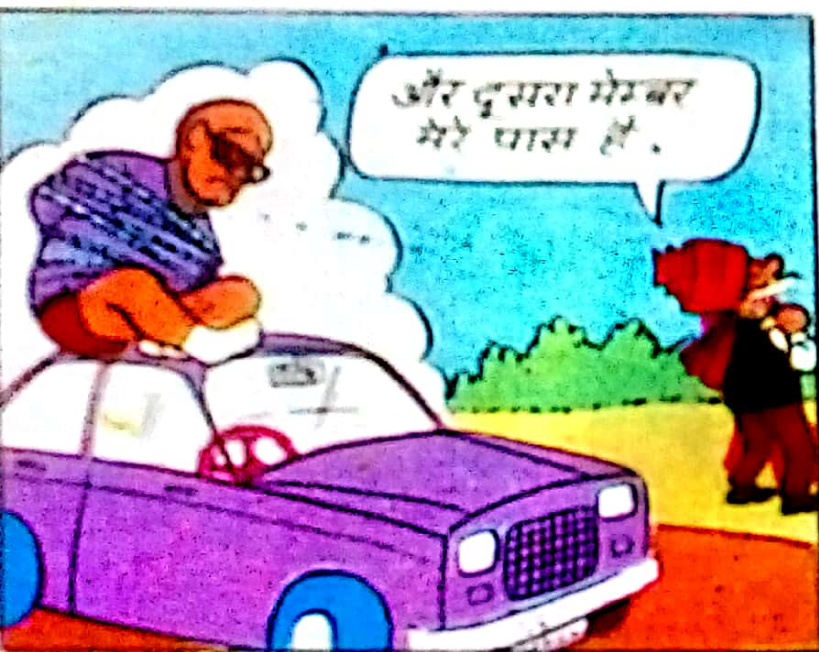
अहा! स्याही की दवाल ?



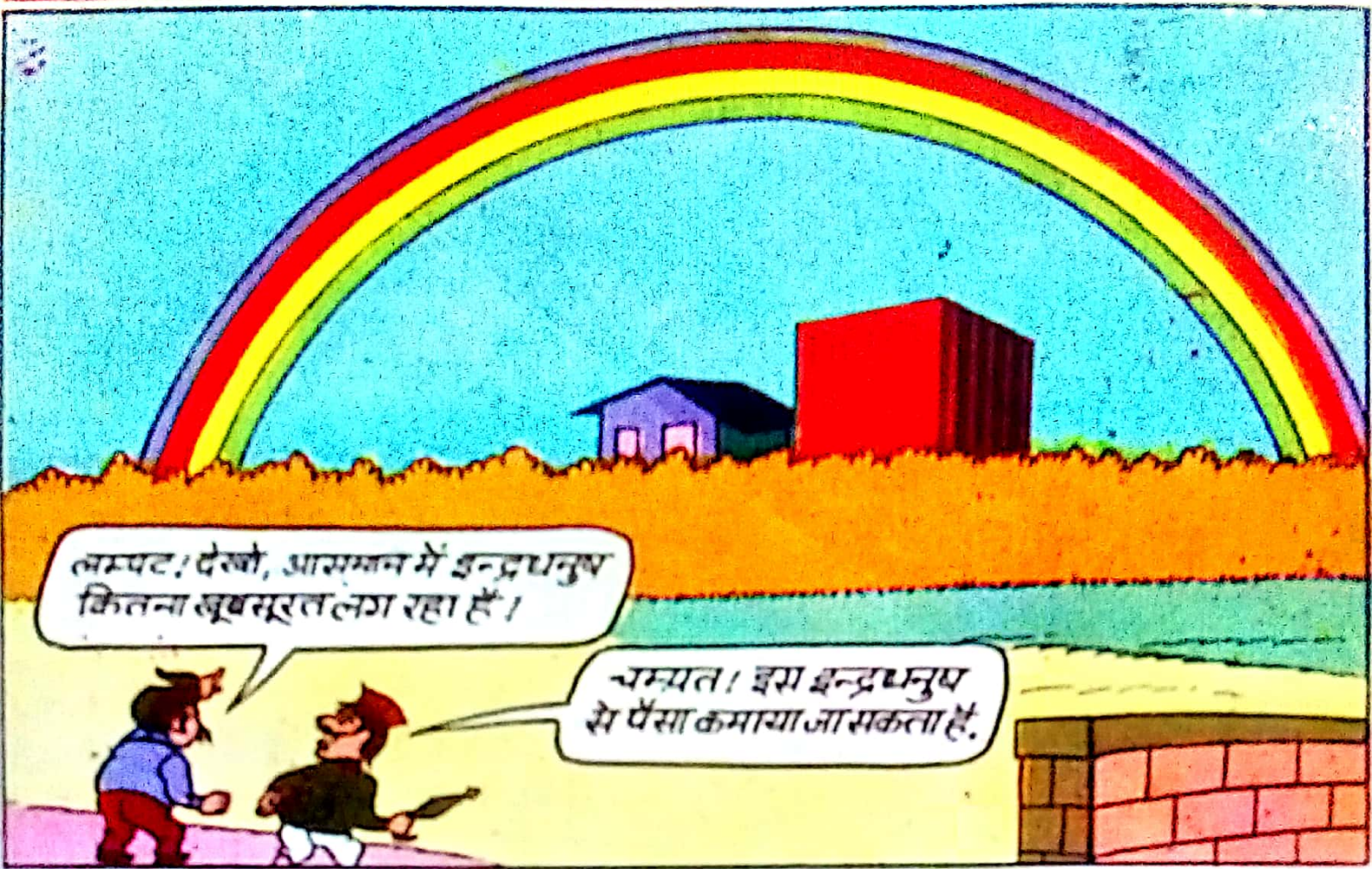
देखना, स्याही नीचे न गिर जाय. यह मामूली स्याही नहीं है.

क्या इस स्याही में तुलसीदास ने रामायण लिखी थी?





इन्द्रधनुष और खजाना



लम्पट! क्या लोग तुम्हारी बात का यकीन करेंगे?

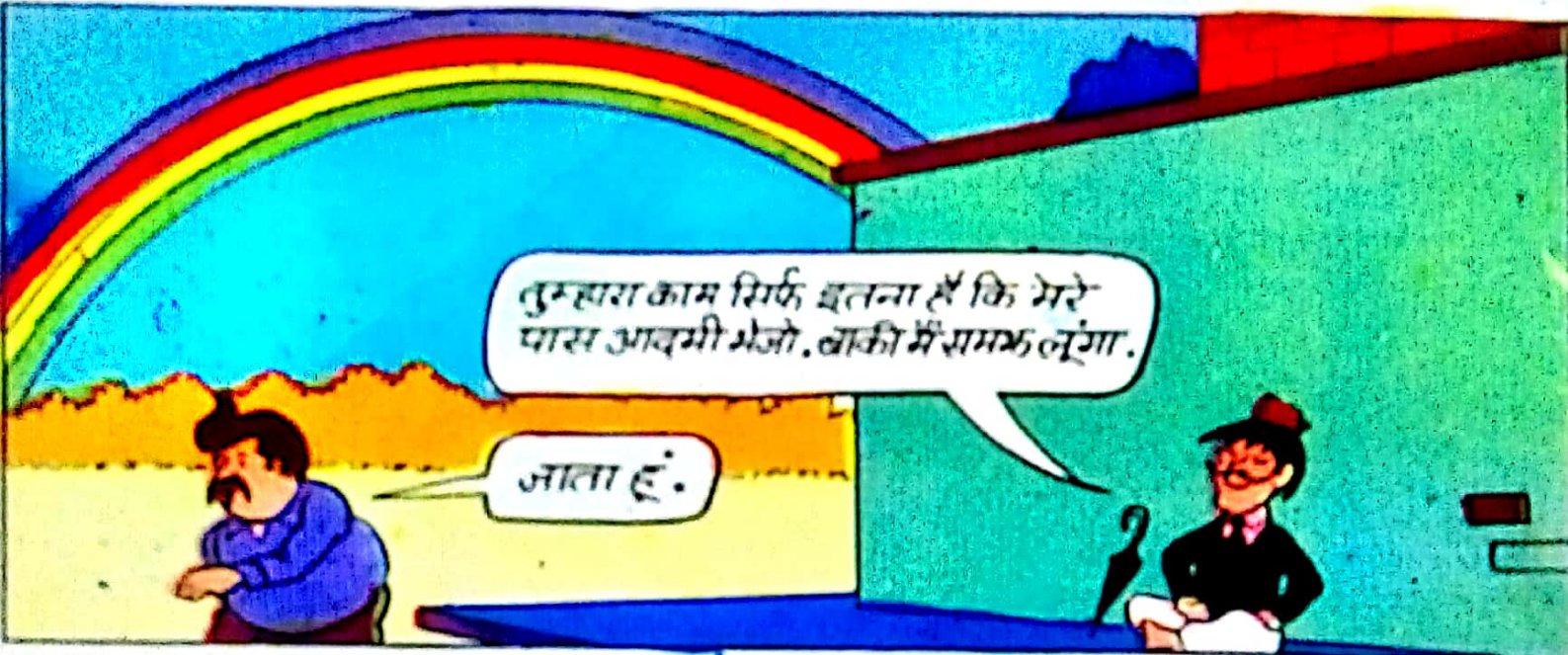


जरूर करेंगे. पैसों में बड़ा जादू होता है. उससे बड़े-बड़े की अक्ल मारी जाती है.

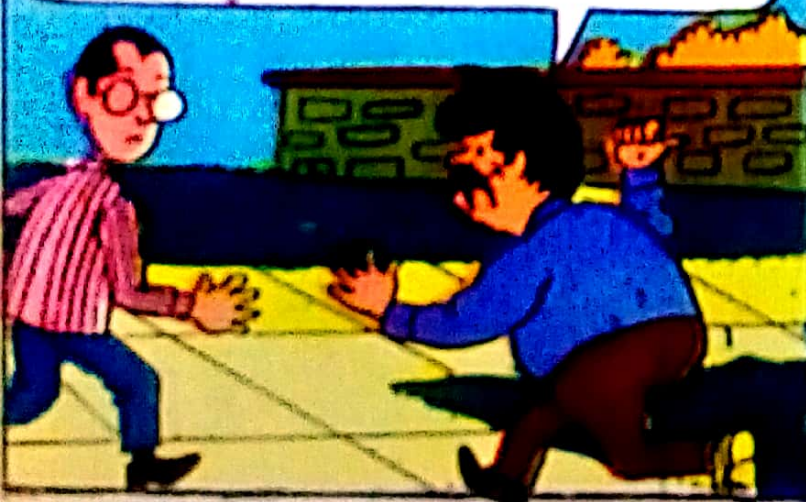


तुम्हारा काम सिर्फ इतना है कि मेरे पास आवधी भेजो. बाकी मैं समझ लूंगा.

जाता हूँ.



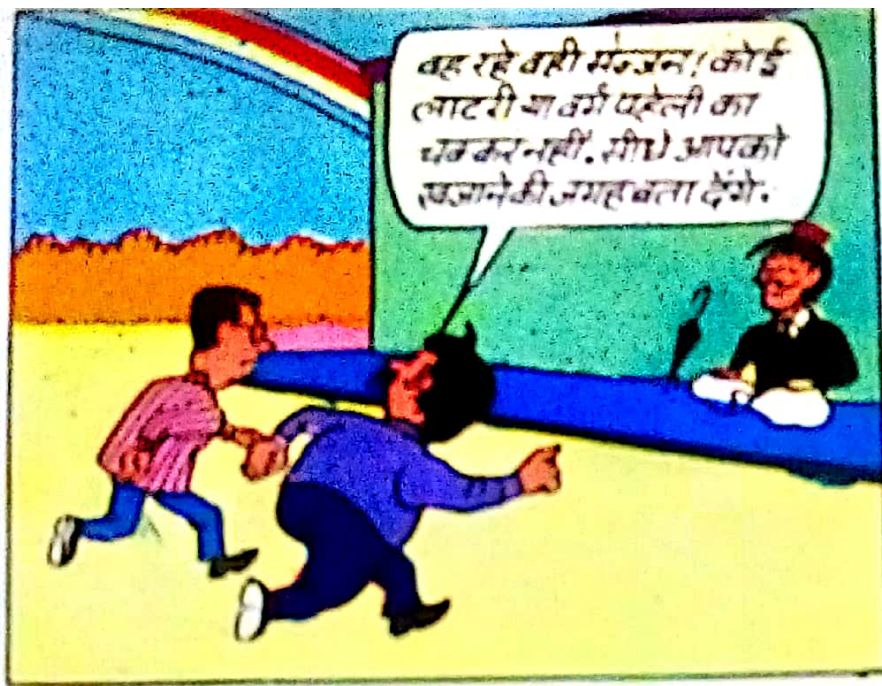
क्यों साहब, आपको खजाना चाहिए? उधर एक खजाना बँधे हैं जो दस रुपये ले कर खजाना दे रहे हैं.



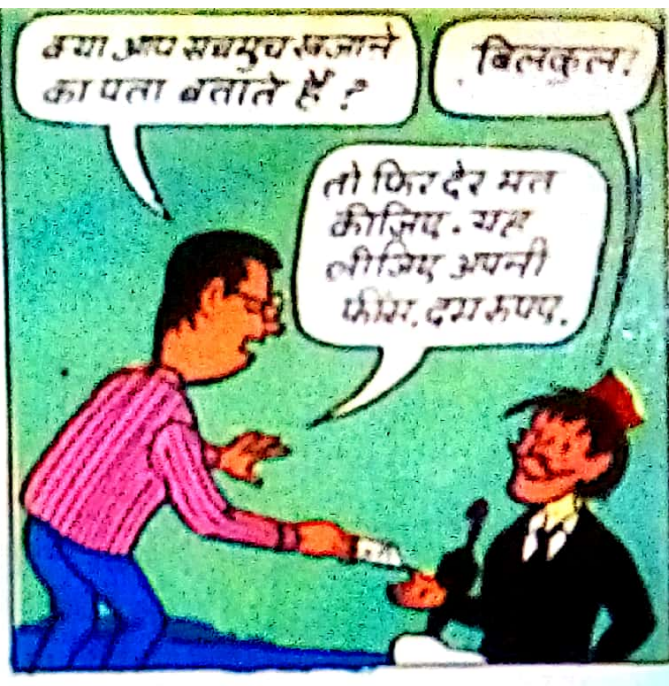
कहीं वह लाटरी के टिकट तो नहीं बेचता? अब तक मैं कहीं टिकट फाड़ कर फेंक चुका हूँ.

नहीं, वह आपको सीधे खजाने का रास्ता बताएंगे. आइए, मेरे साथ.





वह रहे वही मंडजन! कोई लाटरी या वर्ग पहेली का घबकर नहीं. सीधे आपको खजाने की जगह बता देंगे.



क्या आप सबसुख खजाने का पता बताते हैं ?

बिल्कुल!

तो फिर देर मत कीजिए. यह लीजिए अपनी फीस, दग रूपप.



देखो! जहाँ यह इन्द्रधनुष खत्म होता है, वहाँ जमीन पर बहुसुख खजाना पड़ा है. जाओ, उठालो.



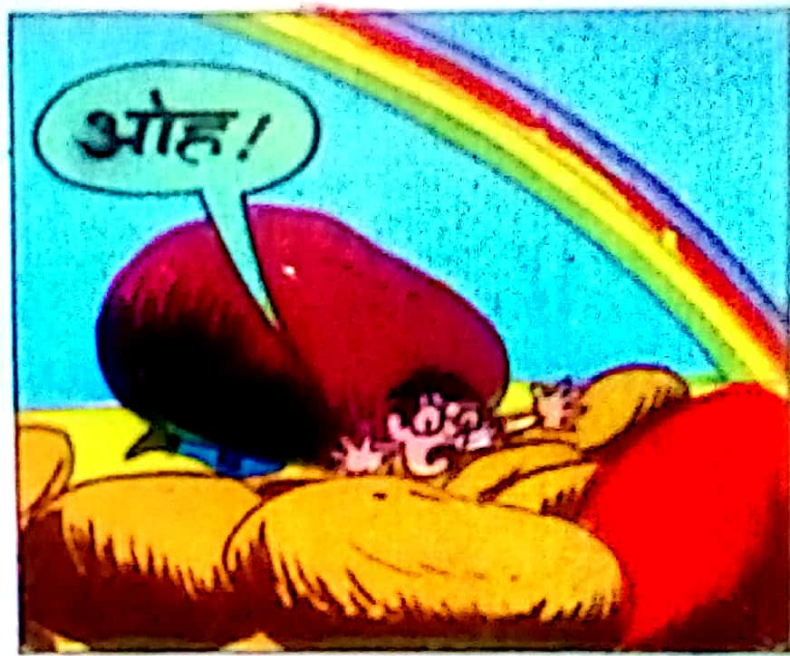
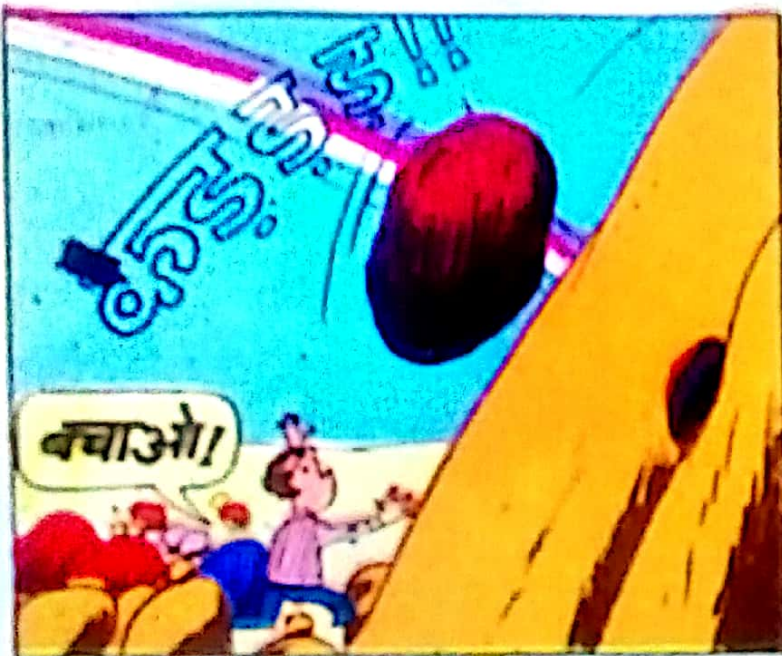
मैं चला! इससे पहले कि कोई और वहाँ पहुंचे, मुझे खजाना अपने कब्जे में कर लेना चाहिए.

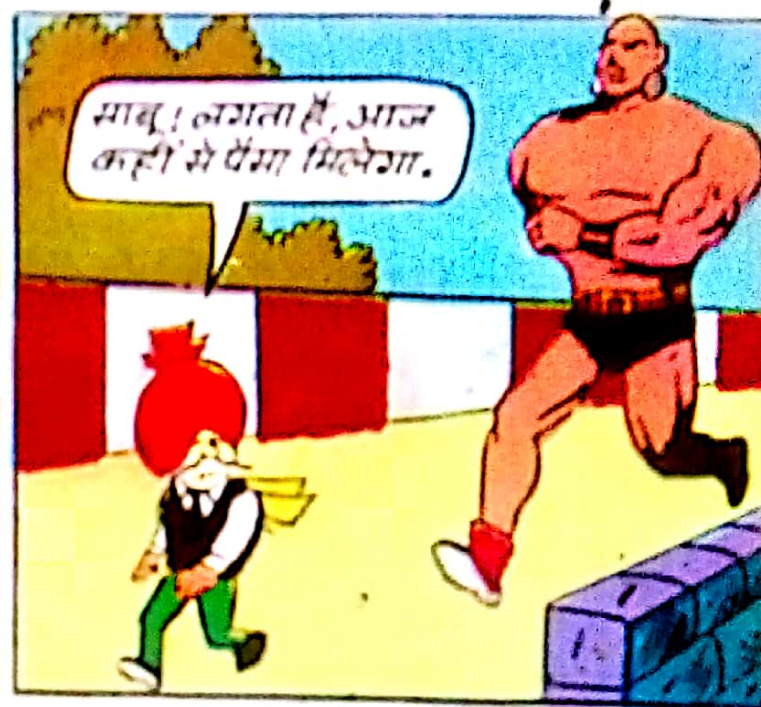
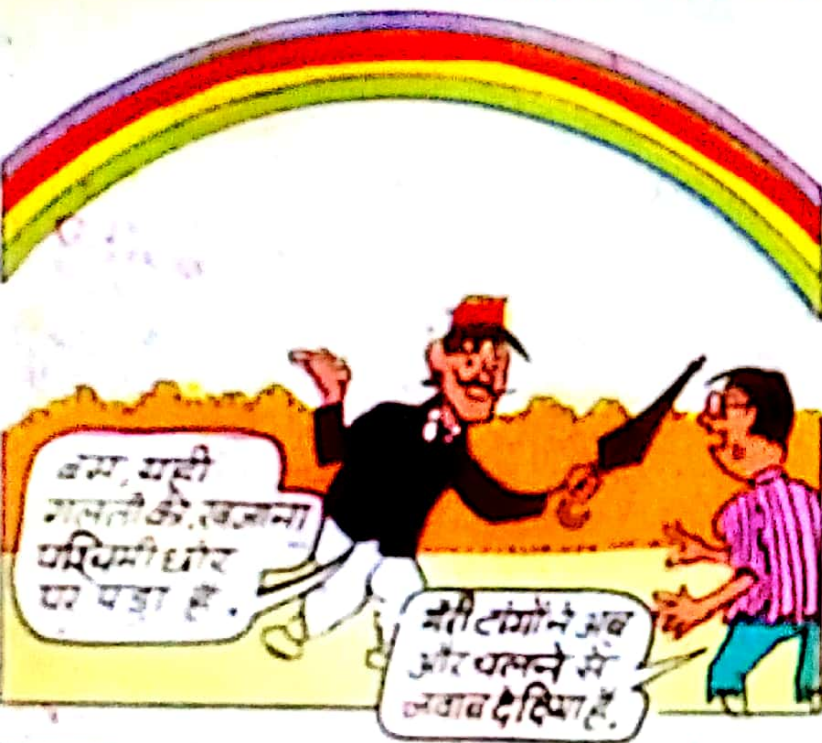
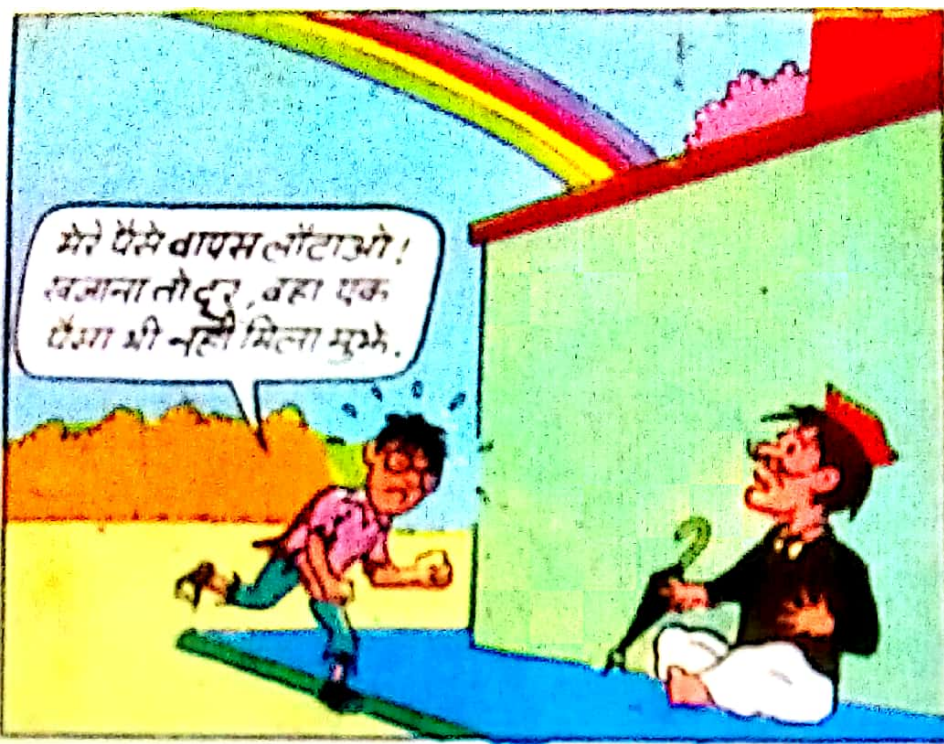
लम्पट! लोगों को बेवकूफ बनाने में तुम्हारा जवाब नहीं.

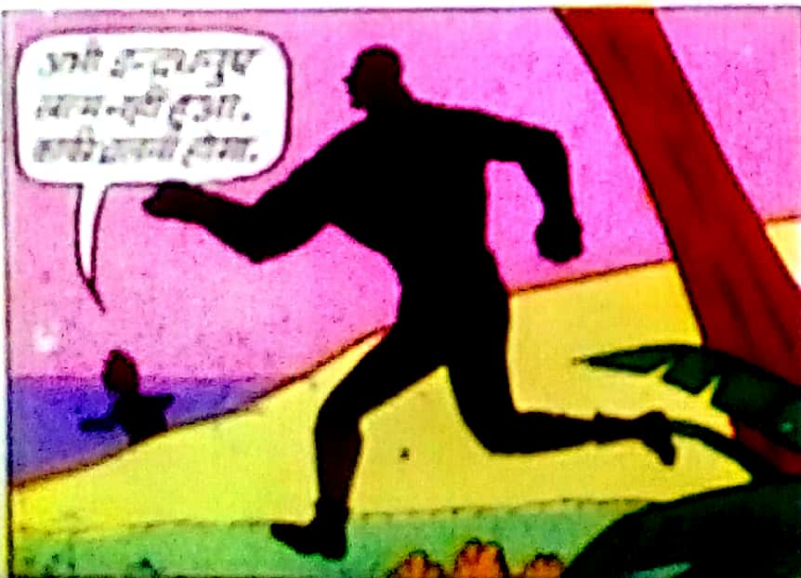
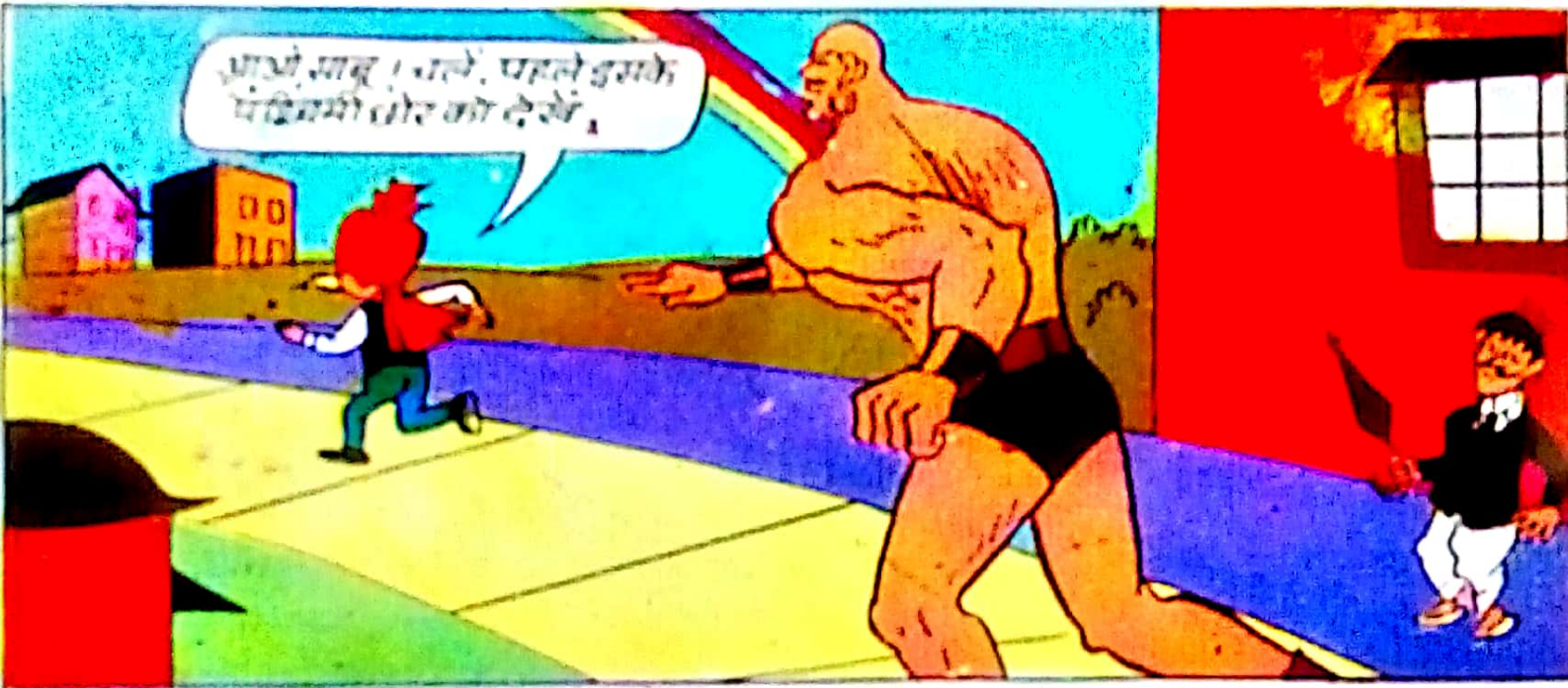
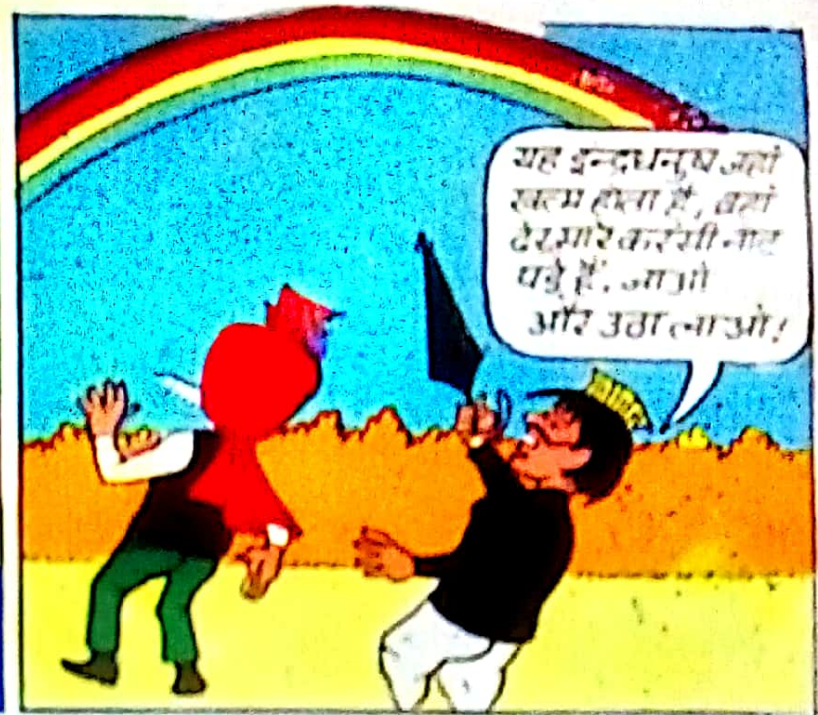
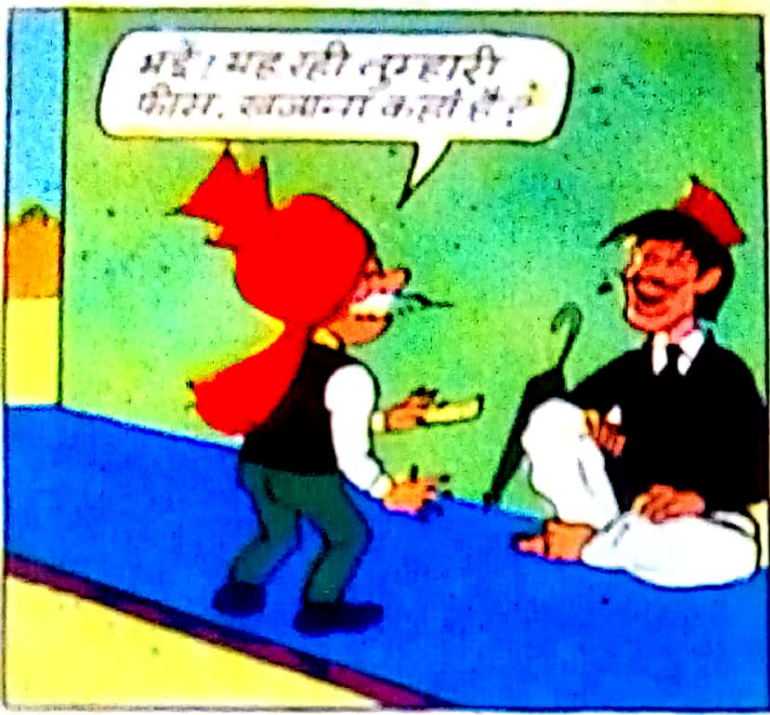
अदि मैं वित्त मंत्री होता तो विदेशों में कर्ज लेना पहला. सारे बजट का पैसा मैं इसे ही जुटा लेता.

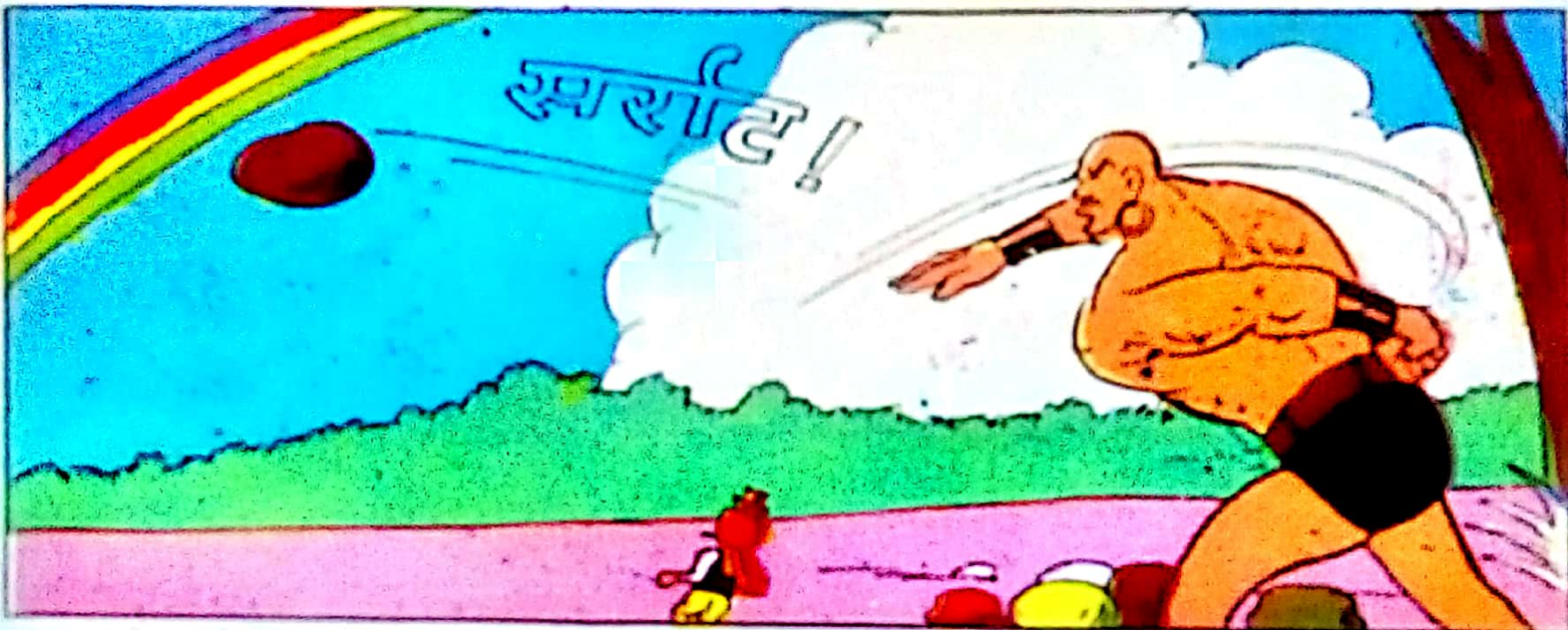
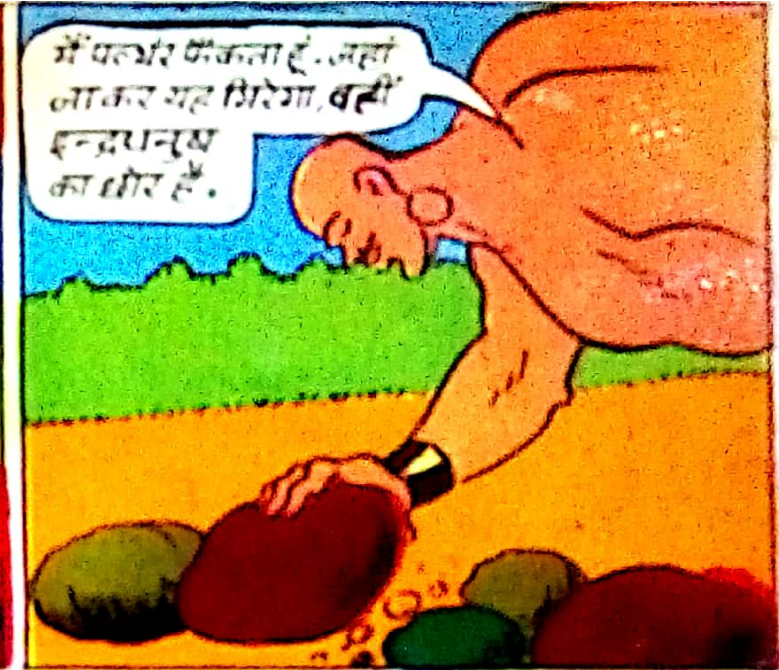


इन्द्रधनुष नदी के उस पार जाता है.



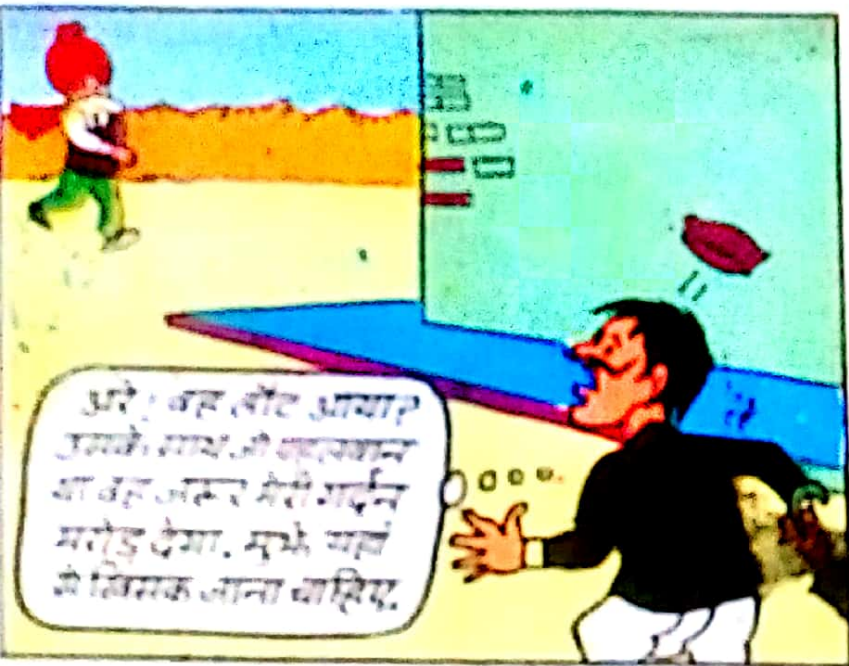








साबू ! नोटों से भरी बोरी ! खजाना मिल ही गया .

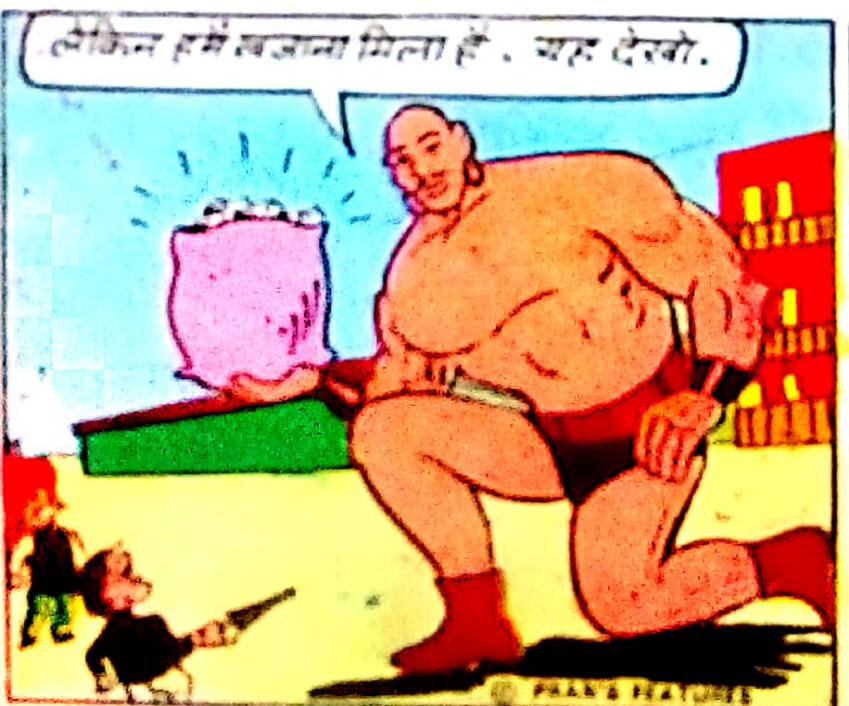


अरे ! वह कौन आया ? उसके साथ जो बूटलवान था वह जरूर मेरी गर्दन मरोड़ देगा. मुझे यहाँ से तुरंत जानना चाहिए.



उहरो !

मुझे बरखा दो ! मैंने मजाक किया था कि इन्द्रधनुष के धोर पर खजाना है.



लेकिन हमें खजाना मिला है . यह देखो.

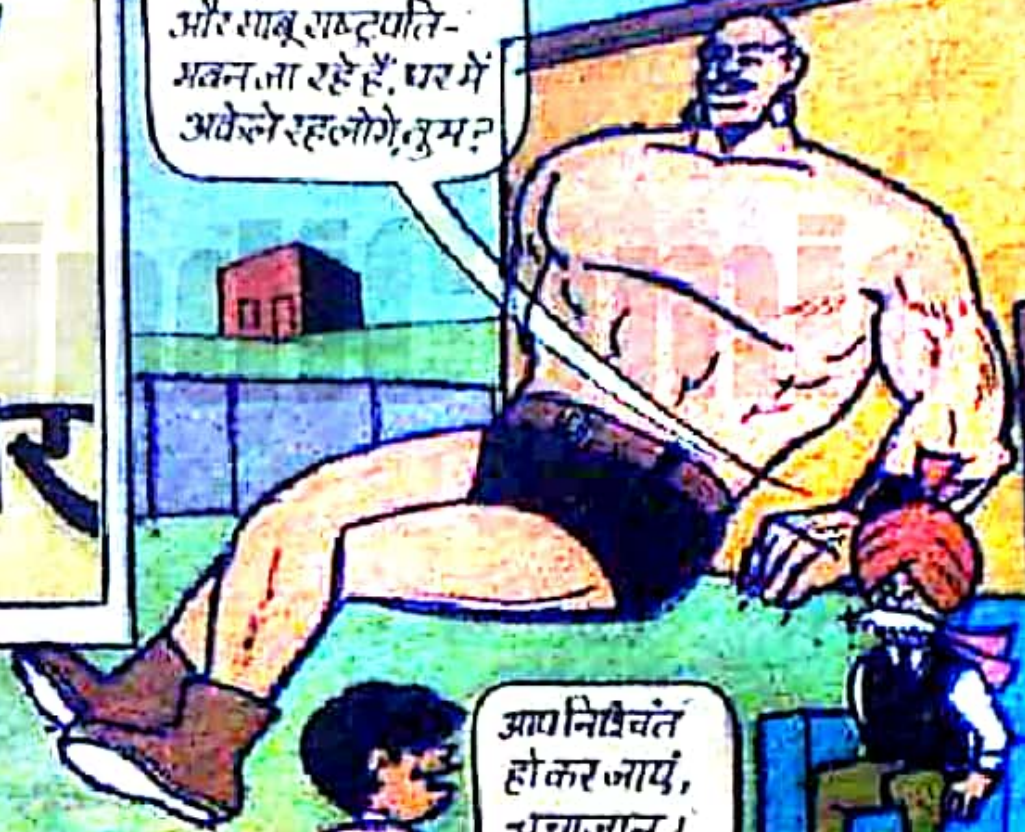


पिछले दिनों जो बैंक में डकैती पड़ी थी, यह वही रूपया है, बैंक ने इतना सुराग लगाने वाले को पचास हजार रूपया इनाम देने की घोषणा की थी, जो जावाजी को मिलेगा .

इनाम का आधा हिस्सा तुम्हें देना क्योंकि तुमने ही बताया था कि खजाना कहाँ है ?

ढोलचोर

बिल्लू! पिकी! मैं और शाबू राष्ट्रपति-भवन जा रहे हैं, घर में अकेले रहलोगे, तुम?



आप निश्चित होकर जायें, भैयाजान!



हमारे पीछे से एक तो तुम बाहर न जाना, दूसरे जब मैं लौटूँ तो घर में हर चीज बिखरी हुई न मिले.

हम ख्याल रखेंगे.



ठीक है. हम चले. बायें! बायें!



पिंकी! आओ, स्टापू खेलें!

चवाने क्या कहा था? यहां खेलने से सारा घर बेतरतीब हो जाएगा.

चलो! धीरे धीरे चलते हैं.



स्टापू खेलने के लिए यह धरत कितनी उम्दा है!

नीचे टोल् चोर...

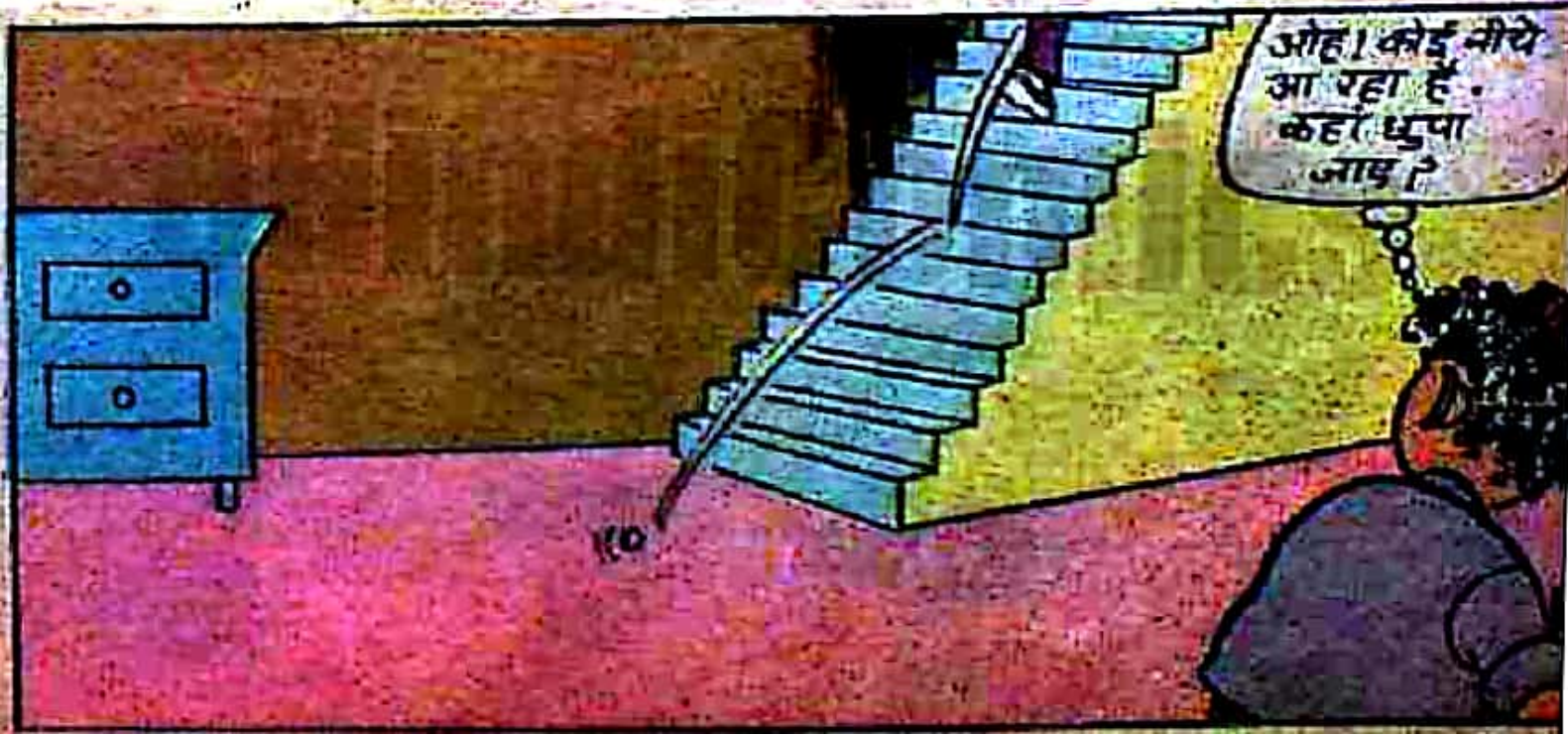
सह गोके घर क्या पड़ा है? लगता है कोई परस भूल गया है.

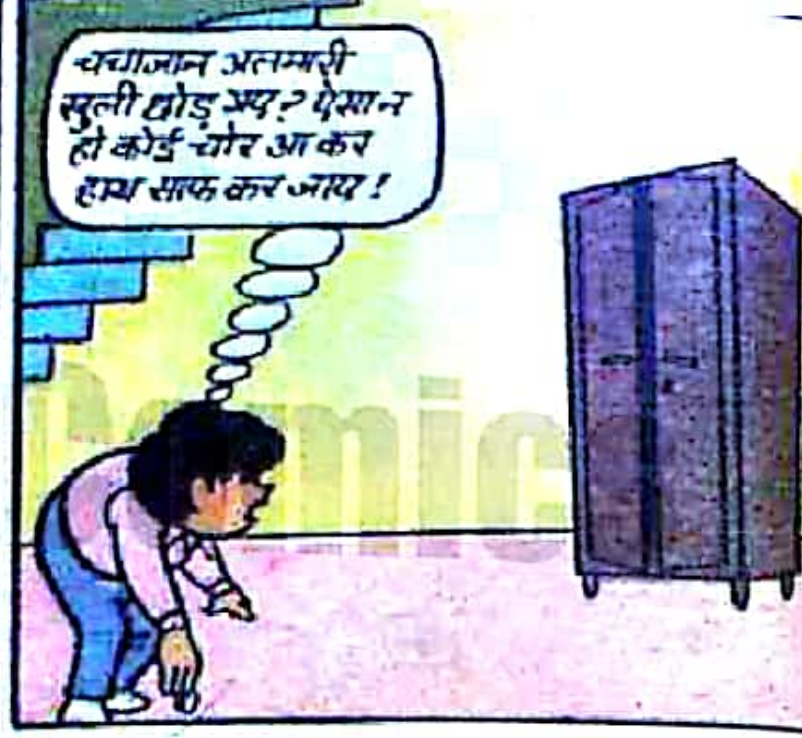
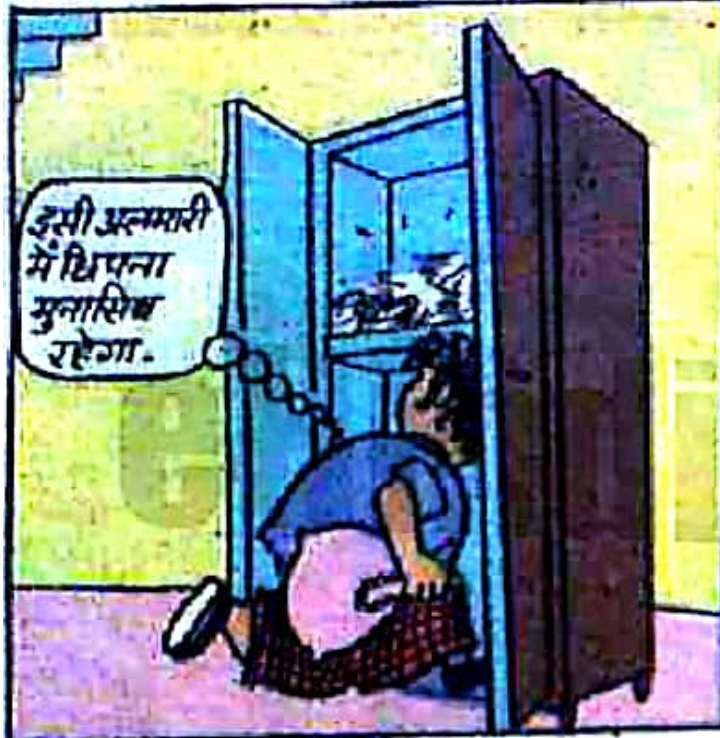


परस में सौ.सौ के नोट!



जो आदमी इतने पैसे बाहर धोड़कर जा सकता है, उसके घर के अन्दर कितना माल होगा! टोल्, आज लेरी किस्मत खुल गई!





शहर का कोतवाल सम्बुधारा...

कांस्टेबल शंखुराम! इस इलाके में गोरियाँ बढ़ती जा रही हैं और टोल्-चोर पकड़ा नहीं जा सका, शाम तक टोल् को न पकड़ा तो अपनी छुट्टी समाप्त है.



मर गए! एक बीवी और बारह बच्चे घर में पालने के लिए और नौकरी का यह अल्टीमेटम!



शंखुराम! आज बड़े उदास नजर आ रहे होंगे?

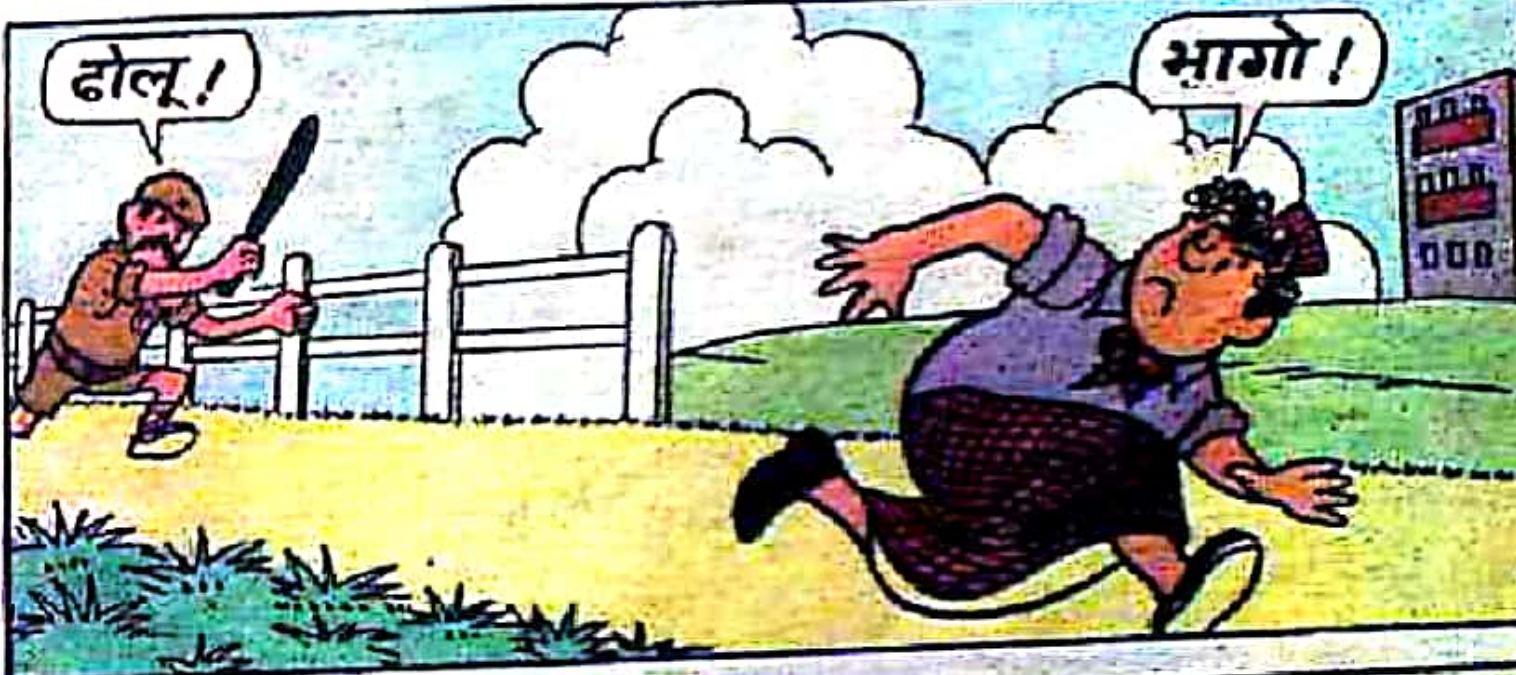
खचाजी! अगर आज मैंने टोल्-चोर को न पकड़ा तो नौकरी से बर्खास्ती का हुक्म मिला है. नौकरी छूट गई तो बच्चे कैसे पालेंगे?



किस न करों, अलमारी खोलो और जितना चाहो पैसा ले लो. नौकरी छूटने पर कोई धंधा शुरू कर लेना.









धिल्लू ! कहीं दोलू को झपटते नहीं देखा ? वह कमबख्त मुझे चकमा दे कर भाग निकला .

फिक्र न करो . मैंने उसे इस ड्रम में बंद कर दिया है .



अरे बाह, धिल्लू ! मेरी नौकरी जाते-जाते एक बार फिर सच गई .



मैं इसको ले जाकर अभी हवालात में बंद करता हूँ . नाक में दम कर रहा है इसने .



उधर पुलिस स्टेशन में...

ठीक है, सर !



अंबूराम ! अभी-अभी पुलिस कमिश्नर का पतेन आया था कि अमर दोलू चौर एक घंटे में न यक झगगाती वह इस पुलिस चौकी के सारे स्टाफ को डिसमिस कर देंगे .

सर, आप फिक्र मत करो ! मैं दोलू चौर को ले आया हूँ - इस ड्रम में .

शाबाश ! शंखु . तुम इस गौकीके, अबसे होनहार कांस्टेबल हो. इस बार गणतन्त्र दिवस पर मैं तुम्हें राष्ट्रीय पुलिस मेडल दिलवाऊंगा. तुम खोलो और टोपू जोर जोर बाहर निकालो.



आह!

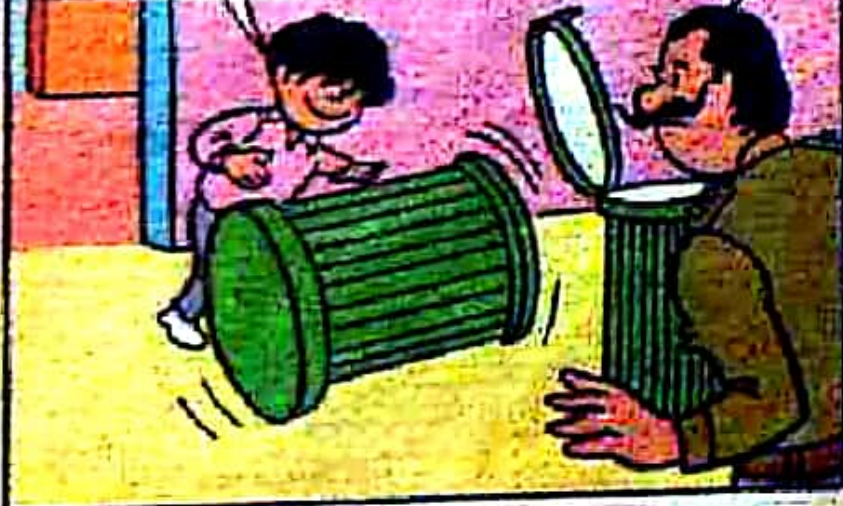


तेरी यह हिम्मत? मेरे साथ सजाक? ... शंखराम कांस्टेबल! मैं तुम्हें इसी वकत डिगमिस करता हूँ.



वहरेप, कोतवाल साब! टोपू इस ड्रम में बंद हैं. शंखराम खुशी में इतना पगाल हो गया कि उसे खबर नहीं रही कि वह दूसरा ड्रम ले जा रहा है.

देरवते हैं. इस ड्रम को खोलो!

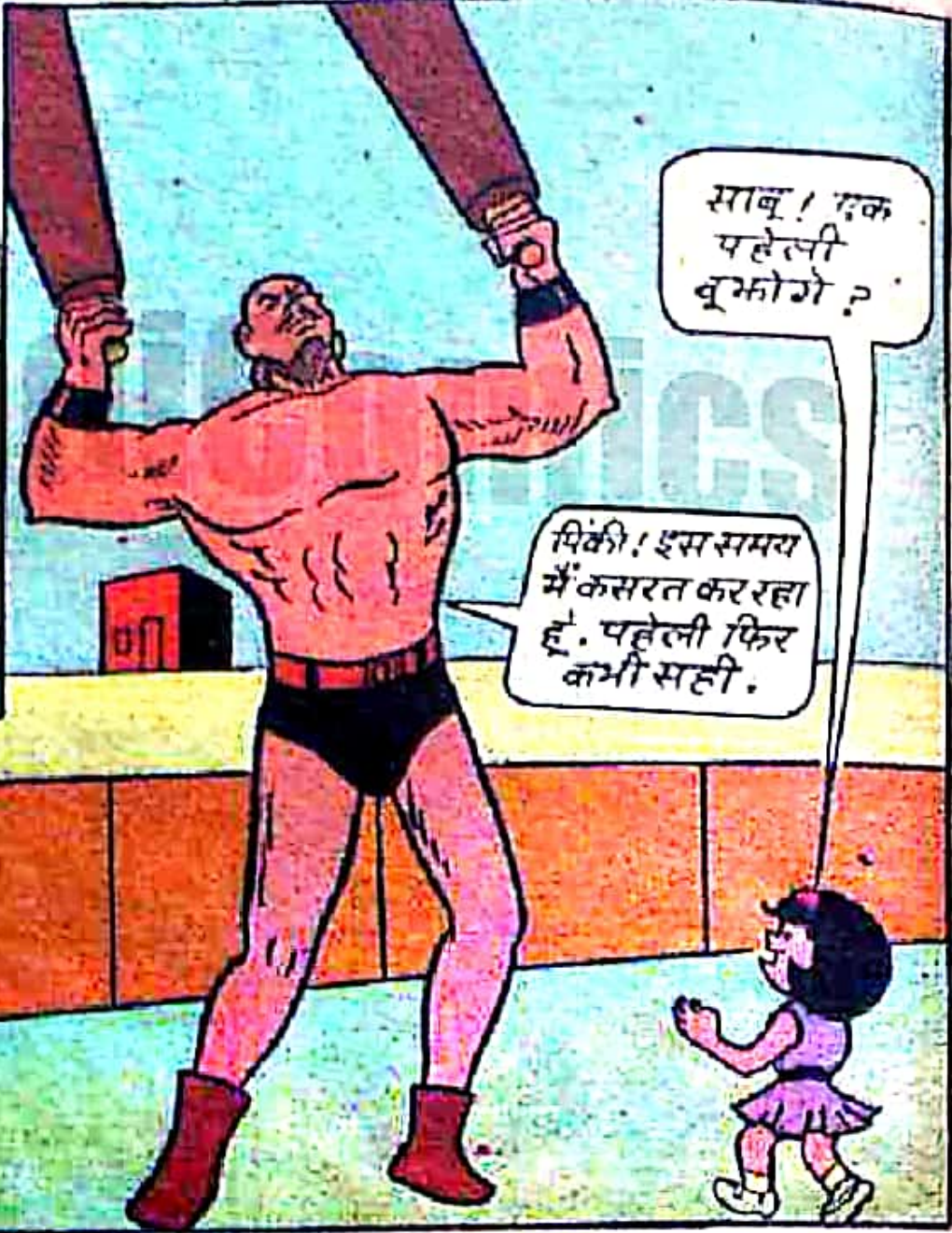


अलो, सीधे हवालाल में! तुमने मुझे बड़े कष्ट दिए हैं.





शाब्बू शिकारी

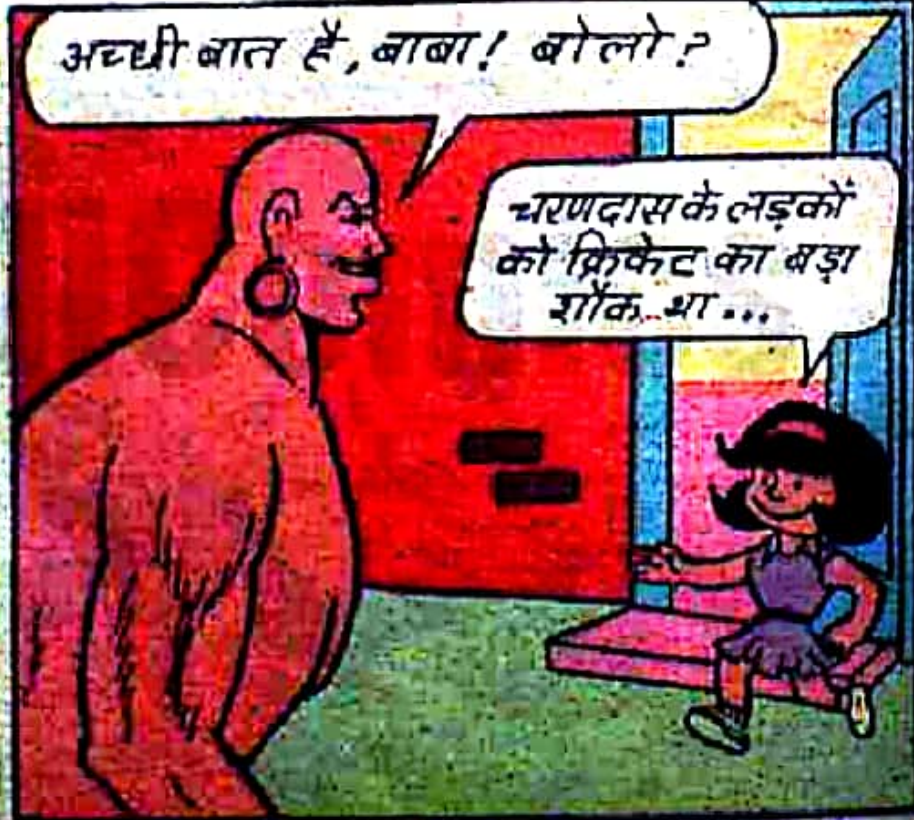


शाब्बू! एक पहेली बूझोगे ?

पिंकी! इस समय मैं कसरत कर रहा हूँ. पहेली फिर कभी सही.



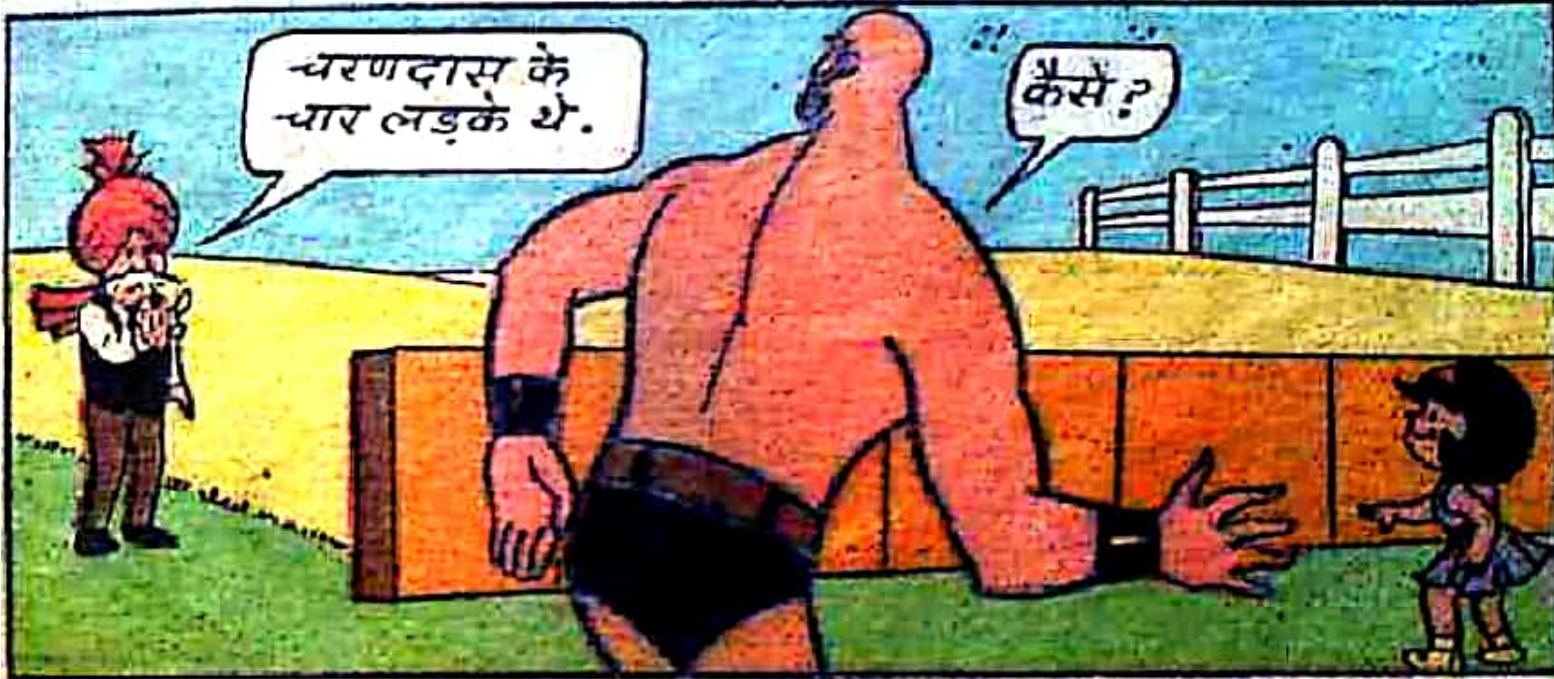
अरे, नुम हमेशा शरीर की कसरत करते हो, कभी दिमाग की कसरत भी की है? पहेलियां हल करने से दिमाग तीक्ष्ण होता है.



अच्छी बात है, बाबा! बोलो ?

चरणदास के लड़कों को क्रिकेट का बड़ा शौक था...

उसके चार लड़के अच्छे बैट्समैन थे और तीन बाउलर. बताओ, चरणदास के कितने लड़के थे?

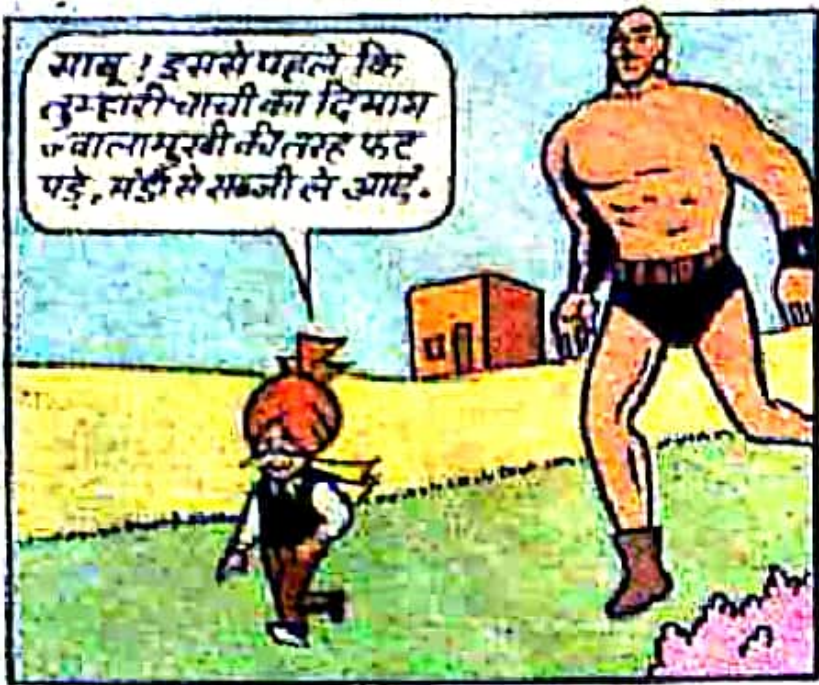


अरे, पहले लीयां ही बुझाते रहोगे या कुछ काम भी करोगे? खानों तक मिलेगा जब बाजार से सब्जी आदनी.

पिकी! चलो, आ कर दूध पीयो.



भाबू! इससे पहले कि तुम्हारी चाची का दिमाग जवाला मूसवी की तरह फट पड़े, मंडी से सब्जी ले आएं.



मनीब ही शानपुर गांव के निवासी...

किसी दूसरे कस्बे में चल कर बसते हैं.

मरने से तो अच्छा ही है कि किसी दूसरी जगह रहा जाए.



शिकारी शब्दूसां ...

अरे! तुम लोग ये बोरिया-बिस्तर उठाए कहाँ जा रहे हो?

हम लोग शानपुर भाव छोड़ कर जा रहे हैं.

क्यों?



जंगल से एक आदमखोर शेर आता है और किसी भी आदमी को उठा ले जाता है. एक-एक करके वह कई आदमी खा चुका है.



अब विकारी शम्भूदा, भा गया है, दुसरे गांव छोड़ने की बात कर रही है, शम्भूदा ने अब तक गिरफ्तार और भी करते हैं. दुसरा गांव और भी गोल गोल शम्भूदा के लक्ष्य बिरही है.



गांव का दर पहिले भी सीखाया देता जाए, में उसके बदले में और तो गांव के पारा फटने नहीं दूंगा. बोलो, मंजूर है?



मंजूर है.

लीजिये, फीस हम अभी उदा क्या देते हैं.



काफ़ी पैसा इकट्ठा हो गया है ! मेरे खाने-पीने के लिए यह काफी है.



अब विकारी शम्भूदा गांव वालों के साथ ही शानपुर में रहने लगा.



शिकारी बाबू! काफी दिनों से आदमखोर शेर हमारे गाँव में नहीं आया.

अरे, आदमखोर शेर बंदूक के सामने बड़ों- बड़ों की हालत घबराती ही जाती है. शेर शिकारी शेरबूखारों के आगे भीड़बू बन जाते हैं.



गर्इडुइ!!

?



बापरे!



आदमखोर आ गया! अपने दरवाजे बंद कर लो!





मां! बाहर आदमखोर
पूग रहा है.

तेरा भाई नन्हा
कहाँ है ?

उसका मुँह
नहीं पता.



आदमखोर
बड़ा भूखा
था और शायद
गुरूसे में भी...

गारुड़ डु!!



नन्हा.

अरे! गिल्ली-डंडा
खेलने वाले मेरे सारे साथी
सकारक कहाँ भाग गए ?



उधर.

शुक्र है, शानपुर
गाँव से मैं भाग आया.



